

मंडल कमीशन के मसीहा वीपी सिंह को जयंती पर किया गया याद, सामाजिक न्याय पर संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ(आरएनएस)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की जयंती पर राज्धानी लखनऊ में सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के अधिकारों को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। होटल क्लार्क अवध में मंडल मसीहा मेमोरियल सोसायटी के तत्वाव्दान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने वीपी सिंह के योगदान को याद करते हुए उन्हें सामाजिक न्याय का अग्रदूत बताया।वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल नासीर नासिर की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में पूर्व मंत्री एवं लोकसभा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का

विषय ‘सामाजिक न्याय में वीपी सिंह की भूमिका’ रहा, जिस पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।मौलाना मोहम्मद मुस्तफा मदनी नदवी ने कहा कि पवित्र कुरआन ईसानों के साथ न्याय, भलाई, सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है और वीपी सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन में इसी सोच को आगे बढ़ाया।मुख्य अतिथि बाबू सिंह कुशवाहा ने कहा कि वीपी सिंह ने उन वर्गों को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया जो लंबे समय तक व्यवस्था से वंचित रहे। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए उठाए गए उनके कदमों के

कारण उन्हें राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी, लेकिन आज देश के करोड़ों लोगों को उसका लाभ मिल रहा है। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी डॉ. बी.पी. अशोक ने कहा कि मंडल आयोग की सिफारिशों का अध्ययन कर उन्होंने प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों में शामिल करना चाहिए। वहीं मऊ नगरपालिका के चेयरमैन अरशद जमाल ने अपने क्षेत्र में वीपी सिंह की स्मृति में एक स्मारक स्थापित करने की घोषणा की।संगोष्ठी को प्रोफेसर महेंद्र कुमार मौर्य, डॉ. वीरेन्द्र कुमार यादव, रामचंद्र पटेल, राजेश सिंह, ह्रदय राम, विपत्ति सिंह यादव, पूर्व विधायक कुबैर भंडारी और रामसागर पाल

समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया। सभी ने सामाजिक न्याय, समान अवसर और पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण में वीपी सिंह की भूमिका को ऐतिहासिक बताया।कार्यक्रम के दौरान पदमश्री प्रो. शादाब मोहम्मद, अरशद जमाल, इलियास बहराइची, मोहम्मद आजम खान, संगीता पाल, रूशदा तथा डॉ. बी.पी. अशोक सहित कई लोगों को सम्मानित भी किया गया।अध्यक्षीय संबोधन में अब्दुल नासीर नासिर ने मांग की कि विश्वनाथ प्रताप सिंह के योगदान को देखते हुए उन्हें सरकारी स्तर पर भी नियमित रूप से याद किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी मोहम्मद गुफरान नसीम ने किया।

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय, कांग्रेस ने सत्ता के लिए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का किया गला घोटाना-मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपातकाल की 51वीं बरसी पर कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोटाना, नागरिक अधिकारों को कुचला और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की मूल भावना पर प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की नई पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई बताना आवश्यक है, ताकि लोकतंत्र के महत्व और उसकी रक्षा के लिए किए गए संघर्षों को भुलाया न जा सके।मुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ में आयोजित ‘संविधान हत्या दिवस’ एवं ‘लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह’ को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया और उनके योगदान को लोकतंत्र की रक्षा का स्वर्णिम अध्याय बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार ने विपक्षी दलों, सामाजिक संगठनों, पत्रकारों और लोकतंत्र समर्थकों की आवाज को दबाने का काम किया। न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया गया, अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रतिबंध लगाए गए और हजारों लोगों को जेलों में डाल दिया

जनता की समस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें अधिकारी - ए.के. शर्मा

लखनऊ(आरएनएस) प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा है कि जनता की समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों की शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही या अनवांछ्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने ऊर्जा और नगर विकास विभाग से जुड़े मामलों की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा—निर्देश

दिए।जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंचे।इनमें नगर निकायों की सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सीवर और जल निकासी की समस्याएं, विद्युत कनेक्शन, ट्रांसफार्मर स्थापना एवं क्षमता वृद्धि, विद्युत आपूर्ति में बाधा, आवास तथा प्रकाश व्यवस्था से जुड़े प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे।मंत्री ए.के. शर्मा ने एक—एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वास्तविक राहत दिखाई देनी चाहिए। जनता की समस्याओं का निराकरण संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ किया जाए।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों को बेहतर

सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनसुनवाई कार्यक्रम शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है, जिससे लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी से संभव हो पाता है और शासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है।ऊर्जा विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नए विद्युत कनेक्शन, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, खराब ट्रांसफार्मरों की मरिस्थापन तथा विद्युत आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि सफाई

व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता, सीवर जाम, जलभराव, आवास योजनाओं और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों में विशेष संवेदनशीलता बरती जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न शिकायतों पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी मंत्री को दी। ए.के. शर्मा ने निर्देश दिया कि जिन मामलों का समाधान लंबित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और शिकायतकर्ताओं को समय—समय पर प्रगति से अवगत भी कराया जाए।उन्होंने कहा कि गुणशसन का आधार जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और प्रशासन की जवाबदेही है।

BKT तहसील में जमीन धोखाधड़ी का बड़ा मामला उजागर, तहसीलदार ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ। बख्शी का तालाब तहसील के ग्राम पंचायत मलूकपुर में एक गरीब किसान से धोखाधड़ी कर कीमती जमीन हड़पने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीडित ने तहसीलदार बीकेटी से मिलकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। क्या है मामला?रूथाना इटौंजा क्षेत्र के ग्राम मलूकपुर निवासी राम जीवन पुत्र स्वर्गीय श्री राम मौर्य ने आरोप लगाया है कि दशौली गांव निवासी आनंद वर्मा ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनकी जमीन की धोखाधड़ी से रजिस्ट्री करा ली। पीडित का आरोप है कि उससे 1.5 बीघा जमीन का सीदा तय हुआ था, लेकिन रजिस्ट्री 4.5 बीघा की करा ली गई। जिस जमीन की बाजार कीमत 50 लाख रुपए से अधिक है, उसका बैनामा मात्र 17 लाख रुपए में कराया गया। पीडित का यह भी आरोप है कि 17 लाख रुपए भी उसके खाते से निकाल लिए गए। तहसीलदार ने दिए जांच के आदेशरू

पीडित राम जीवन ने बुधवार को तहसीलदार बीकेटी शरद सिंह से मिलकर पूरे प्रकरण की लिखित शिकायत सौंपी। तहसीलदार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच थाना प्रभारी बीकेटी को सौंप दी है। चूंकि रजिस्ट्री बख्शी का तालाब तहसील में हुई है, इसलिए जांच का जिम्मा बीकेटी पुलिस को दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। रैकेट के खुलासे की आशंकरागुरामीणों का कहना है कि मलूकपुर क्षेत्र में जमीन के नाम पर धोखाधड़ी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। इस मामले में बड़े रैकेट के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस जांच में कई और नाम सामने आ सकते हैं। अवैध ाप्लॉटिंग पर चलेगा बुलडोजररूइस संबंध में तहसीलदार शरद सिंह ने बताया कि मलूकपुर में हो रही अवैध प्लांटिंग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय लेखपाल को निर्देश दिए हैं कि 1 जुलाई 2026 तक सभी अवैध कब्जेदारों को चिह्नित कर नोटिस जारी करें और विधेिक कार्रवाई सुनिश्चित करें। अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की भी तैयारी है। पीडित के एडवोकेट महेश रावत ने कहा कि गरीब किसानों की जमीन हड़पने वाले भूमाफिया को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अकीदत के फूल चढ़ाने और बोसा लेने को बेताब रहे अजादार झूला मासूम अली असगर व ताबूत अली अकबर की जियारत व बोसा लेने को उमड़ पड़ा हुसैनी सेलाब

प्रयागराज। करबला में हक और बातिल की जंग को चौदह सौ साल गुजरने के बाद भी आज तक हुसैन ए मजलूम के चाहने वाले अश्क बहा कर मजलिस मातम और शहादत का बयान कर रहे हैं। मोहर्रम के चांद के दीदार से शुरु हुआ गम का सिलसिला आज माहे मोहर्रम की नवीं को भी शिद्दत से याद किया गया। चक जीरो रोड स्थित इमामबाड़ा डिप्यूटी जाहिद हुसैन ने नवीं मोहर्रम की

मजलिस को मौलाना सैय्यद जमीर हैदर रिजवी साहब कछ्ठिया ने खिताब करते हुए इमाम हुसैन के तफ से आहो बुका की सदाएं बुलन्द होने लगीं। मजलिस से पहले रजा इस्माईल सफवी व साथियों ने पुरदर्द मर्सिया पढ़ा। गुलाब व चमेली के फूलों से सजा ताबूत हजरत अली अकबर

व हजरत मासूम अली असगर का झूला जब निकाला गया तो अकधैदतमन्दों का सैलाब जियारत को उमड़ पड़ा। या अली या हुसैन की सदाओं के साथ मातमदारों ने जम कर मातम किया। अन्जुमन हुसैनिया कध्दीम के बुजुर्ग नौहाख्दान शाह बहादुर ने करबला की दर्दअंगेज मंजर कशी करते हुए नौहा पढ़ा तो हर आंख अशकों से सराबोर हो गई। वहीं दूसरा नौहा यूशा बहादुर व मोहम्मद अहमद गुड्डू व साथियों

ने पढ़ा। छोटी चक इमामबाड़ा वजीर हैदर में अशरे की नवीं मजलिस को जाकिरे अहलेबैत अशराफ अब्बास खां ने खिताब किया। अन्जुमन आबिदया के नौहाख्दान मिर्जा काजिम अली ने रवायती अन्दाज में कध्दीमी नौहा पढ़ा तो माहौल गमजदा हो गया। घंटाघर स्थित इमामबाड़ा सय्यद मियां में जाकिरे अहलेबैत रजा अब्बास जैदी ने खिताब किया तो अन्जुमन हैदरिया के नौहाख्दान हसन रिजवी व साथियों ने पुरदर्द नौहा पढ़ा।

देखते हैं पीएम मोदी मोहन यादव पर कब कार्रवाई करते हैं- उमंग सिंघार अखिलेश को मोहन यादव से प्यार, तो यूपी बुला लें

प्रयागराज। कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने गुरुवार को पेपर लीक के मुद्दे पर कांग्रेस के देशव्यापी अभियान के तहत आयोजित प्रेस वार्ता में पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भ्रष्टाचार और जमीन से जुड़े मामलों में गंभीर आरोप लगाए। कहा कि देखते हैं पीएम मोदी कब कार्रवाई करते हैं।उमंग सिंघार ने समाजवादी पार्टी प्रमुख

अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से इतना प्यार है तो उन्हें उत्तर प्रदेश बुला लें। सिंघार ने कहा कि खदानों से ही गिद्धी खरीदनी पड़ती है, जहां सामग्री महंगे दामों पर मिलती है।पिछले दो सालों में मुख्यमंत्री के परिवार की संपत्ति में तेजी से बढोतरी हुई है। आखिर यह धनवृद्धि कैसे हुई, जबकि आम

दिया है।उन्होंने कहा कि सीएम मोहन यादव उज्जैन से आते हैं और वहां आम लोगों के लिए घर बनाना भी मुश्किल हो गया है। यदि किसी को मकान बनाना है तो उसे मुख्यमंत्री से जुड़े लोगों की खदानों से ही गिद्धी खरीदनी पड़ती है, जहां सामग्री महंगे दामों पर मिलती है।पिछले दो सालों में मुख्यमंत्री के परिवार की संपत्ति में तेजी से बढोतरी हुई है। आखिर यह धनवृद्धि कैसे हुई, जबकि आम

लोगों की आर्थिक स्थिति में ऐसा कोई बदलाव नहीं आया। पीएम नरेंद्र मोदी ने झन खाऊंगा, न खाने दूंगाश का नारा दिया था, ऐसे में अब देखना होगा कि वह अपने श्रिपय मुख्यमंत्रीश के खिलाफ कब कार्रवाई करते हैं।उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस केमाध्यम सेउठा चुकी है।आगामी विधानसभा सत्र मेंपार्टीइस मामले को तथ्यों और दस्तावेजों के साथ मजबूती से उठाएगी।

सिविल डिफेंस की टीम ने मुहर्रम के जुलूस के दौरान दिया सहयोग

प्रयागराज। मोहर्रम के शुरुआत से ही लगातार सिविल डिफेंस की पूरी टीम सभी आलम वा जुलूस में अपना पूरा सहयोग प्रदान करती चली आ रही है। मोहर्रम प्रभारी आईसीओ मो0 याकूब के मार्गदर्शन में एक से दश तक पोस्ट के लोग पुलिस प्रशासन का सहयोग दे रहे हैं।

त्यौहार कोई भी हो सिविल डिफेंस की पूरी टीम लगातार अपना कर्तव्य निभाती है। चाहे रथ यात्रा हो, मोहर्रम हो या आने वाला कावड़ यात्रा आने वाली है। मोहर्रम का निरंतर रात्रि आलम का जुलूस निकल रहा है। डिविजन चौक के अंतर्गत मुहर्रम का जुलूस बहादुरगंज, चक रोजा, सराय गड़ी, घंटाघर,चौक, नकास कोना, सेवाई मंडी एरिया से निकलता हुआ शाहगंज थाना डफरिन से करबला तक जाकर संपन्न होता है। जुलूस में शामिल होकर प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए शांति व्यवस्था में लगे रहे। सिविल डिफेंस मुख्यालय के आदेश अनुसार पोस्ट 1,से लेकर दशो पोस्ट के वार्डन उपस्थित होकर जुलूस को निकलवाने में सहयोग करते रहे। सीओ मो0 याकूब के विशेष सहयोग में आ कर सारे जुलूसों को निकलवाने में अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।मौके पर पहुंच कर डिविजनल वार्डन मनी मेहरा और स्टाफ ऑफिसर मजहर ने सभी का अभिनंदन कर, कार्यरत एक एक वार्डनो के जोश आ कार्य के प्रति उत्साहवर्धन किए। पोस्ट 8 के वार्डन पोस्ट वार्डन परवेज अहमद, डिप्टी पोस्ट वार्डन रवि कुमार साहू, मीडिया प्रभारी असद कुरैशी, मनोज गुप्ता, मो कलीम, मो सद्दाम, मो गुड्डू, विकास कनोजिया,पंकज वर्मा शामिल रहे।

चतुर्थ वाहिनी पीएसी में आयोजित हुआ साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम

प्रयागराज। चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज में सेनानायक सर्वेश कुमार मिश्र (आईपीएस) के निर्देशन एवं उपसेनानायक विजयेन्द्र द्विवेदी की उपस्थिति में जवानों, उनके परिजनों, बच्चों एवं महिलाओं हेतु साइबर अपराध ा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में साइबर थाना प्रयागराज उपनिरीक्षक राहुल कुमार की टीम द्वारा प्रतिभागियों को ऑनलाइन उगी, फर्जी कॉल,

फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने के खतरे, सोशल मीडिया अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी, पासवर्ड अथवा अन्य व्यक्तिगत जानकारी

गोखाधड़ी सहित विभिन्न साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी, पासवर्ड अथवा अन्य व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। उपस्थित जवानों एवं उनके

परिजनोें ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साइबर सुरक्षा के प्रति सजग एवं जागरूक रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सहायक सेनानायक एसएसएसएफ हरेंद्र यादव, सहायक सेनानायक कु, अनुष्का, शिविरपाल अमित कुमार, सूबेदार सैन्य सहायक विजय सिंह, मीडिया प्रभारी भानु प्रताप झा सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।



TIRANGA MAHARAJ

Shot on OnePlus



रविवार को आयोजित होगा रक्तचाप पर प्रदेश स्तरीय सेमिनार

सेमिनार में देश के कोने-कोने से हृदय रोग विशेषज्ञ लेगे भाग

सुल्तानपुर। आगामी 28 जून को रविवार को स्टेट मेडिकल कॉलेज दुबेपुर में इंडियन सोसायटी आफ हाइपरटेंशन के यू पी चौंटर की एक कॉन्फ्रेंस हो रही है जिसमें कि जिस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन 12000 बजे प्रोफेसर आरके धीमान और पद्मश्री एसबीआई एसजीपीजीआई के डायरेक्टर करेंगे और प्रोफेसर के के त्रिपाठी पद्मश्री जो नेफ्रोलॉजिस्ट है डॉक्टर शिवेंद्र कुमार सिंह का नोट व्याख्यान होगा। जोकि भू सेंड नेफ्रोलॉजी में बो लेंगे और हमारे कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर आदित्य कपूर, डॉ जुमानी और डॉक्टर सादिक अंसारी, डॉक्टर अखिलेश शर्मा, प्रोफेसर अक्वेष शर्मा, डॉक्टर सतीश कुमार, डॉक्टर सोनकर स्पीकर्स के काफ़ी अच्छे सीएम होंगे। कार्यक्रम 7.00 बजे सुबह स्टार्ट होगा 12.00 बजे उद्घाटन होगा और शाम को 5.00 बजे समाप्त होगा इस कार्यक्रम में एवं सदस्यों का सारणी सहयोग

सभी तरह के डॉक्टर आयुर्वेद होम्योपैथिक और मॉडर्न मेडिसिन के सभी डेलिगेट्स इनवाइटेड है और ब्लड प्रेशर के ऊपर बहुत ही अच्छा आधुनिक व्याख्यान दिया जाएगा जिसका लाभ ज्यादा से ज्यादा लोग उठाएं वहां पहुंचे सेमिनार को सफल बनाने में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सुल्तानपुर के सभी पदाधिकारी

मिल रहा है। आशीर्वाद हॉस्पिटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ एके सिंह सचिव डॉक्टर अंकुर सेठ वरिष्ठ नाक कान गला रोग सर्जन डॉक्टर सुभाष चंद्र वरिष्ठ फिजिशियन डॉक्टर जेपी सिंह फिजिशियन डॉक्टर राजीव रतन मिश्रा की उपस्थिति सराहनीय रही।

चिराग तले अघेरा कंपोजिट ठेके पर उठे सवाल, प्रशासन की कार्रवाई पर नजर

सुल्तानपुर। पुलिस लाइन और एसपी आवास के बीच संचालित कंपोजिट ठेके को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी और सवाल बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। लोगों का आरोप है कि सुबह से देर रात तक यहाँ भीड़ और शराबखोरी का माहौल बना रहता है, जिससे आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाए हैं कि आने–जाने वाली महिलाओं और बच्चियों को असहज स्थिति और अमद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि ऐसी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो संबंधित विभागों को जांच कर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। हैरानी की बात यह बताई जा रही है कि संवेदनशील क्षेत्र होने और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की आवाजाही के बावजूद लोगों को स्थिति में सुधार नजर नहीं आ रहा। इससे प्रशासनिक निगरानी और व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जनता की मांग है कि संबंधित प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस विभाग मौके का निरीक्षण करें शिकायतों की जांच क्वाएं और यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा हो तो आवश्यक सख्ती और कार्रवाई सुनिश्चित करें ।

आठवीं मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस निकला

जौनपुर (आरएनएस)। आठवीं मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस नाजिम अली खान के इमामबाड़े से अंजुमन हुसैनिया के नेतृत्व में निकाला गया। इस अवसर पर मजलिस का भी आयोजन हुआ, जिसे दिल्ली से आए मशहूर वैज्ञानिक और जाकिर डॉ. कल्बे रजा नकवी ने संबोधित किया। जनपद के शहरी और ग्रामीण सभी इलाकों में मजलिसों और जुलूसों का आयोजन किया गया। शहर की 20 से अधिक मातमी अंजुमनों ने जुलूस में नौहा और मातम कर कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह जुलूस मोहल्ला नसीब खां मंडी स्थित इमामबाड़ा नाजिम अली खां से शुरू होकर अटला मस्जिद स्थित इमामबाड़ा शेख अलताफ हुसैन पहुंचा। यहां शबीहे ताबूत को दुलदुल से मिलाया गया, जिसके बाद जुलूस वापस पहुंचकर समाप्त हुआ। डॉ. कल्बे रजा नकवी ने अपने संबोधन में कहा कि पूरी दुनिया में इमाम हुसैन

उठाई उनका बलिदान आज इस्लाम के अस्तित्व का आधार है। उन्होंने बताया कि इमाम हुसैन ने अपने छह माह के बच्चे जनाबे अली असगर, जवान बेटे अली अकबर और तेरह साल के भतीजे जनाबे कासिम की शहादत दीने इस्लाम को बचाने के लिए पेश की।उन्होंने यजीदी हुकूमत के जुल्मों की इंतहा बताते हुए

तभी आकाशवाणी हुई कि ऐ नफसे मुतमइना पलट आ अपने रब की तरफ मैं तुझसे राजी और तू मुझसे राजी। ये आकाशवाणी सुनकर जैसे ही इमाम हुसैन ने तलवार को अपनी मिथान में रखा यजीदी फौजों ने उन्हें घेर कर हमला किया और शहीद कर दिया।

3 जुलाईसे होगा आम महोत्सव

जौनपुर(आरएनएस)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया कि 3, 4 एवं 5 जुलाई, को इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आम महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। आम महोत्सव के माध्यम से किसानो, निर्यातको, उद्यमियो एवं उपभोक्ताओ को एक मंच पर लाकर आम उत्पादन प्रसंस्करण विपणन एवं निर्यात को नई गति देने का प्रयास किया जायेगा। बताया गया कि उ0प्र0 देश का अग्रणी आम उत्पादक राज्य है, महोत्सव के दौरान पाँच श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें आम की विभिन्न प्रजातियाँ, आम आधारित संरक्षित उत्पाद, आम से बने व्यंजन, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी तथा सर्वाधिक प्रदर्शन करने वाले बागवान शामिल हैं। आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं आम उत्पादकों को उन्नत उत्पादन तकनीक, तुड़ाई उपरत प्रबंधन (पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट), प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, विपणन तथा निर्यात संबंधी आधुनिक जानकारीयों उपलब्ध कराना है। महोत्सव में उत्कृष्ट आम उत्पादकों एवं बागवानों को सम्मानित भी किया जाएगा। यह आयोजन आम उत्पादकों के लिए नई तकनीकों, बेहतर विपणन अवसरों तथा प्रोत्साहन प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा। उन्होंने जनपद के आम बागवानो से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आम के प्रदर्श, संरक्षित उत्पाद, व्यंजन प्रतियोगिता में इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में प्रतिभाग करें।

घर में घुसकर हमले में वृद्ध दम्पति गंभीर

जौनपुर। मीरगंज थाना क्षेत्र के सेमरी गाँव में देर रात घर में घुसकर बुजुर्ग दंपति के साथ बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पट्टीदारों ने घर में घुसकर लाठी–डंडों और सरिए से हमला कर बुजुर्ग पति–पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेमरी गाँव की रहने वाली शाफिया बेगम पत्नी अशरफ ने मीरगंज थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि आठ गी रात को उनके पट्टीदार मुक्तार, उनकी पत्नी मुन्नी , बेटी सबीना और पुत्र मिथुन अचानक उनके घर में घुस आए।आरोपियों ने घर में मौजूद साफिया बेगम के ससुर सलीम पुत्र दोष मोहम्मद और सास जन्नलुस (पत्नी सलीम) पर लाठी–डंडों व लोहे के सरिए से हमला कर दिया। इस हमले में बुजुर्ग दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के दौरान आरोपियों ने गाली–गलौज की और शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही मीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। मीरगंज थाना थानाध्यक्ष अरविंद सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी मुक्तार, सबीना, मुन्नी और मिथुन समेत चार लोगों को खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया है।

अधिवक्ताओं का फूटा आक्रोश

जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी और अवैध कारोबार

पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग

सुल्तानपुर। अधिवक्ताओं का गुस्सा खुलकर सामने आया। अधिक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए कोतवाली नगर क्षेत्र में हुई कथित मारपीट की घटना पर सख्त और त्वरित कार्रवाई की मांग उठाई। प्रार्थना पत्र के अनुसार, 21 जून की रात रेलवे स्टेशन स्थित लक्ष्मी भोजनालय में अधिवक्ता धर्मात्मा सिंह, विपिन पाण्डेय और राजन पाठक पर कथित तौर पर जानलेवा हमला किया गया। इस घटना में अधिवक्ता धर्मात्मा सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज की जरूरत पड़ी। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि स्टेशन रोड और कुड़वार नाका क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित होटल और दुकानों के कर्मचारियों द्वारा लंबे समय से दबर्गई, मारपीट



कार्रवाई नहीं होने से ऐसे तत्वों के हौसले बुलंद हैं। घटना को लेकर अधिवक्ता समुदाय में नाराजगी और आक्रोश देखने को मिला। अधिवक्ताओं ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए मांग की कि यदि जल्द और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो आगे आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

पालिकाध्यक्ष ने दी विकास की सौगात, 45 लाख की लागत से सड़क व नाली निर्माण का शुभारंभ

सुल्तानपुर। शहर के आदर्श नगर वार्ड में वर्षों से जर्जर पड़े मार्ग को अब नई पहचान मिलने जा रही है। नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर द्वारा पल्टू का पुरवा तिराहे से एमएसबी स्कूल (मधुसूदन इंटर कॉलेज मार्ग) तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर शुभारंभ किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने बताया कि स्थानीय सभासद एवं क्षेत्रीय नागरिक लंबे समय से सड़क पुर्ननिर्माण और जल निकासी व्यवस्था की मांग कर रहे थे। नगर पालिका ने प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा, जिसके बाद पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अंतर्गत लगभग 45 लाख रुपये की लागत से 317 मीटर लंबी सीसी सड़क एवं नाली निर्माण को स्वीकृति मिली। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि नगर क्षेत्र में सड़क, नाला–नाली निर्माण एवं प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण सहित विकास कार्यों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। नगर पालिका स्वच्छ सुंदर सुल्तानपुर की संकल्पना को साकार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की। कार्यक्रम का संयोजन स्थानीय सभासद विजय कुमार जायसवाल ने किया। इस दौरान सभासद मंगरू प्रसाद प्रजापति सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।



प्रयागराज के विक्रम मोट्टोज ने बॉलीवुड में बजाया संगीत का डंका

सिविल लाइन्स प्रयागराज निवासी विक्रम मोट्टोज बॉलीवुड के बन चुके हैं मशहूर संगीत

गाना 'इरादे कर बुलंद खौफ को पछाड़ दे' दिया, जिसे सुखविंदर सिंह ने गाया।

(65 मिलियन व्यूज), जोली एलएलबी 3 ‘ग्लास ऊँची रखे’ (26 मिलियन व्यूज), विद्युत



निर्देशक। विक्रम 2005 में सेंट जोसेफ स्कूल प्रयागराज से पढ़ाई करने के बाद मुंबई चले गये थे। 13 वर्ष तक संघर्ष करते रहे, इसी बीच उन्होंने एल्बम्स में जहाँ म्यूजिक दिया, वहीं कई फिल्मों को भी अपने संगीत से सजाया और दूसरों का काम करते रहे।

विक्रम ने कई फिल्मों में संगीत दिया और सफल शॉर्ट फिल्म स्क्रिप्ट्स में 'बैकग्राउंड स्कोर' किया, जिसे काफी सराहना मिली। और फिर एक दिन संजय दत्त से मुलाकात ने इनकी किस्मत को ही पलट दिया। 'संजय दत्त की कॉमेडी फिल्म 'संजू' में इन्हें बतौर संगीतकार (दो गानों के लिए) साइन किया गया। इस फिल्म का गाना 'कर हर मैदान फतेह' और 'बाबा बोलता है अब बस हो गया' गानों ने विक्रम मोट्टोज की पहचान में चार चाँद लगा दिए।

इसके बाद विक्रम ने आने वाली कई फिल्मों में 'तोरबाज' और संजय दत्त प्रोडक्शन द्वारा निर्मित फिल्म 'प्रस्थान' में तीन गाने 'दिल बेवड़ा', 'चारों खाने चित' और 'हाजी अली बाबा' जिसे सुखविंदर ने गाया, गानों को अपने संगीत से सजाया।

फिर विक्रम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और उन्होंने-विद्युत जर्मावाल की फिल्म 'कमांडो-3' में 'तेरा बाप आया' से फिर धमाल मचाया, जो एक ब्लॉकबस्टर गाना बना। इसी फिल्म में एक और

उनको फिल्म 'मेरे देश की ६ रती' के पूरे फिल्म के गाने और बैकग्राउंड म्यूजिक देने का मौका मिला। इसके बाद प्रकाश प्रोडक्शन की फिल्म 'शेरशाह' में प्रमोशनल सॉन्ग 'जय हिंद की सेना' (3.2 मिलियन व्यूज) दिया। इस गाने का संगीत विक्रम ने दिया और खुद गाया भी। इस गाने के लिए विक्रम को साल आईफा अवॉर्ड, फिल्म फेयर और रेडियो मिर्ची के अवॉर्ड से नवाजा गया।

विक्रम ने अक्षय कुमार की फिल्म 'बच्चा पाण्डेय' में 'मार गाने के लिए विक्रम को साल आईफा अवॉर्ड, फिल्म फेयर और रेडियो मिर्ची के अवॉर्ड से नवाजा गया।

अक्षय कुमार की फिल्म 'राम सेतु' में विक्रम के संगीत ने पब्लिक को पूरी तरह झकझोर दिया। 'जय श्रीराम' गाने का संगीत भी दिया और अपनी जोशीली आवाज देकर इस गाने को ब्लॉकबस्टर बना दिया (42 मिलियन व्यूज)। विक्रम ने गानों की झड़ी लगा दी जैसे 'खुदाया रे', 'संजय दत्त के साथ 'अधीरा' (2.4 मिलियन व्यूज), अक्षय कुमार के साथ 'महाकाल चलो' (13 मिलियन व्यूज), 'शम्भू' (54 मिलियन व्यूज), ओ माई गॉड का 'हर हर महादेव' (65 मिलियन व्यूज), जोली एलएलबी 3 'ग्लास ऊँची रखे' (26 मिलियन व्यूज), विद्युत

संचारी रोगों के संवेदीकरण को लेकर पालिका में हुई बैठक

मीरजापुर।संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर संवेदीकरण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन,नपाध्यक्ष और ईओ के निर्देश पर नगर पालिका परिषद मीरजापुर के प्रधान कार्यालय पर सभासद,सफाई नायकों,कर्मचारियों,मलेरिया निरीक्षक एवं उनकी टीम के साथ सीएसआई मनोज सेठ ने बैठक की बता दे आगामी



एक जुलाई से एकतीस जुलाई तक संचारी रोगों की रोकथाम एवं जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक संवेदीकरण बैठक आयोजित की गई। बैठक में

नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने,जलभराव की समस्या का समाधान करने तथा मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने पर चर्चा की गई। सीएसआई ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम में जनसहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सफाई कर्मियों को नियमित साफ–सफाई, नालियों की सफाई,फ्रॉगिंग और एंटी–लार्वा छिड़काव कराने के निर्देश दिए और कहा कि वार्ड में लोगों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया एवं अन्य संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने पर बल दे और साथ ही नागरिकों से अपने घरों एवं आसपास जल जमाव न होने देने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक करें।इस मौके पर सभासदगण,सीएमओ कार्यालय से मलेरिया निरीक्षक कृष्णकांत व उनकी टीम,समस्त सफाई नायक,स्वछता निरीक्षक,स्वच्छ भारत मिशन टीम उपस्थित रही।

संभव अभियान 6.0 का अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मीरजापुर 25 जून 2026— शासन के क्रम में संभव अभियान 6.0 का अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। जिसमें जनपद के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, समस्त मुख्य सेविका एवं लगभग 100 आंगनबाड़ी कार्यकत्री अभिमुखीकरण कार्यक्रम में उपस्थित रही। संभव अभियान–6.0 पूर्व की भांति माह जुलाई से सितम्बर, 2026 तक आयोजन किया जाना है, जिसकी मुख्य थीम पार्यावस्था से बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा निर्धारित की गयी है। साथ ही गंभीर कुपोषण



(सं ई) एवं मध्यम कुपोषण (मैम) की रोकथाम एवं प्रबन्धन पर विशेष बल दिया जाएगा। उक्त अभियान का संचालन बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा पंचायती राज विभाग के समर्कित प्रयास से किया जाना है। संभव 6.0 अभियान का प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षणकर्ता राधेश्याम पाल, बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा दिया गया। जनपद के नवागत जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश कुमार द्वारा अपने सम्बोधन में कहां गया कि उक्त अभियान को सफल बनाने में हमारे फील्ड के कर्मचारी यथा मुख्य सेविका एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री की मुख्य भूमिका है। आप सभी पूरे मनोयोग से अभियान को सफल बनाये, जिससे प्रदेश में जनपद की बेहतर छवि प्रस्तुत हो सके।

कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी रामनिवास सिंह, स्मृत कुमार सिंह, दिलीप वर्मा, मीना गुप्ता, रेनू पाण्डेय एवं मुख्य सेविका, नेहा गुप्ता, प्रीती, सुनीता, शीला पाल तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री आरती, कविता, चंचल आदि उपस्थित रही।

भाजपा जिला कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष को लेकर हुई बैठक

मीरजापुर।भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, बरौधा कचार मीरजापुर के सभागार में बुधवार को जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज की अध्यक्षता में जिला बैठक आयोजित हुई। बैठक में 23 जून से 06 जुलाई तक चलने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारत की अखंडता के प्रतीक थे। वह प्रख्यात शिक्षाविद्, कुशल प्रशासक और प्रखर राष्ट्रभक्त थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर 23 जून बलिदान दिवस से 06 जुलाई जन्मदिवस तक संस्मरण पक्ष मनाया जा रहा है। यह वर्ष डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष है।

इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष ने 25 जून 1975 को लगे आपातकाल को याद करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सलाह पर अ्शांतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल लगाया गया था। समाचार पत्रों पर संसरशिप, बिजली काटकर प्रकाशन रोकना और डंडे। कानून के तहत जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी समेत हजारों नेताओं की गिरफ्तारी हुई। 21 मार्च 1977 को आपातकाल हटाया गया और जनता पार्टी की सरकार बनी। उन्होंने कहा कि 21 महीने का यह दौर भारतीय लोकतंत्र का श्काला अध्यायश् है। 25 जून को र्श्चविधान हत्या दिवसश् के रूप में याद किया जाता है ताकि आने वाली पीढ़ियां लोकतंत्र के मूल्च न भूलें।

बैठक में लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड में दिवंगत छात्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। इसके साथ ही पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री स्वामीनाथ सिंह ने किया। अभियान के संयोजक जिला उपाध्यक्ष रवीन्द्र नारायण सिंह रहे। बैठक में जिला उपाध्यक्ष हेमन्त त्रिपाठी, गौरव ऊमर, इन्द्र कुमार सिंह, बैजनाथ प्रजापति, उदयमान तिवारी, जिला महामंत्री रवि सिंह कर्कर पाण्डेय, डॉ. सी.एल. बिन्दू, जिलामंत्री संध्या पटेल, वीरेन्द्र प्रताप यादव, रोहित त्रिपाठी, पुनम चौरसिया, जिला मीडिया प्रमारी पं. भावेश शर्मा, सह प्रमारी विजय शक्ति दूबे, रतन कुमार सिंह, शुभम जायसवाल सहित मंडल प्रमारी, मंडल अध्यक्ष एवं अभियान संयोजक–सहसंयोजक उपस्थित रहे।

आपातकाल के स्याह दिनों को याद करना जरूरी

संजय गांधी ने इमरजेंसी के दो दिन बाद ही सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल को हटाकर अपने करीबी विद्याचरण शुक्ल को मंत्री बना दिया और विद्याचरण शुक्ल के जरिए सरकार ने मीडिया पर मनमानी की। कड़ी सेंसरशिप की वजह से कई अखबारों का प्रकाशन बंद हो गया। पत्रकारों के लिए सरकार ने कोड ऑफ कंडक्ट बना दिया।25 जून 1975 की रात 11 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति फखारुद्दीन अली अहमद ने इमरजेंसी के अध्यादेश पर दस्तखत किए। इसी के साथ नागरिक अधिकार, स्वतंत्र विचरण, असहमति–विरोध के अधिकार, मुक्त लेखन आदि के दरवाजे बंद कर दिए गए। 26 जून की सुबह तानाशाही अमावस्या की काली अंधेरी रात की तरह छा चुकी थी। लगभग सभी प्रमुख नेता एवं लाखों कार्यकर्ता बिना कारण बताए

जेल में डाल दिए गए। कई स्थानों पर पुलिस की ज्यादाती देखने को मिली। उन दिनों लोकतंत्र की रक्षा करने लायक कोई संस्था नहीं बची। आपातकाल का विरोध करने वाले मीडिया का दमन किया गया। न्यायपालिका सत्ताधारी दल को नाखुश करने में संकोच करती दिखी। नौकरशाहों की चापलूसी के चलते प्रशासनिक संस्थाएं पंगु सी हो गईं। उन दिनों स्थिति यह थी कि इंदिरा गांधी के करीबियों को छोड़कर अन्य सभी संदेह के घेरे में थे।देश में आपातकाल लगाया गया तो उसके पीछे संजय गांधी की अहम भूमिका रही। संजय गांधी ने अपनी युवा नेताओं की टीम के साथ आपातकाल के दौरान काफी जुत्न किए थे। संजय गांधी ने अपने करीबियों के साथ मिलकर आपातकाल में नसबंदी, दिल्ली के सौंदर्यीकरण के लिए जबरेन झुगियों को उजाड़े जाने जैसे

सम्पादकीय

गहरी यांत्रणा से गुजरना

न्याय होने से पहले न्यूजविलक से जुड़े लोगों को गहरी यांत्रणा से गुजरना पड़ा। एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतां के यहां छोपे पड़े। इनकी भरपाई कैसे होगी?

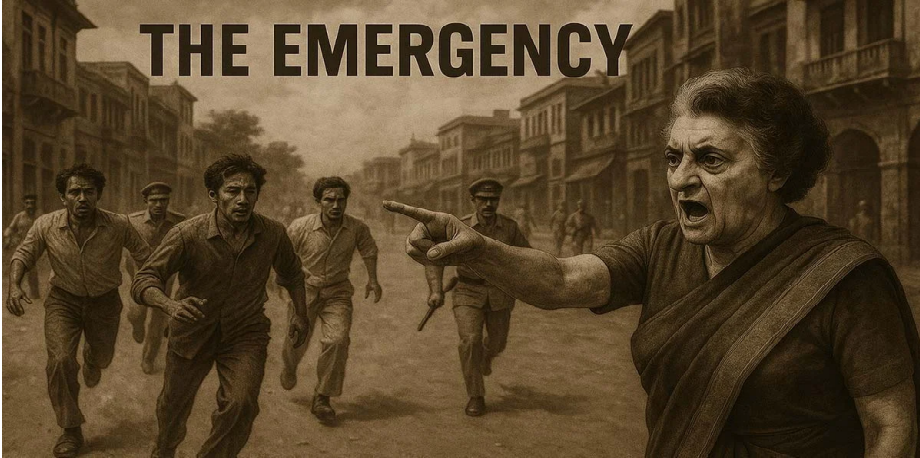
छह साल तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की यांत्रणा झेलने के बाद आखिरकार वेबसाइट न्यूजविलक को इंसाफ मिला। मुकदमा खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। कहा कि न्यूजविलक के खिलाफ ना सिर्फ जारी कार्यवाही दुर्भावनापूर्ण है, बल्कि यह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता पर मनमाना हमला तथा शक्ति के दुरुपयोग का मामला भी है। ईडी के आरोपों को श्रृ्पांसरू गढ़ा हुआ और निराधार्च्य ठहराते हुए न्यायालय ने कहा कि वेबसाइट के खिलाफ दूर से संकेत देने लायक भी कोई सबूत नहीं पेश नहीं किया गया। जबकि आरोप मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक अधिनियम के तहत लगाया गया था।

बुधवार को ही हाईकोर्ट की एक दूसरी बेंच ने जम्मू–कश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज पर यूएपीए के तहत जारी मुकदमे में जमानत दे दी। यह मामला पांच साल पुराना हो चुका है, मगर हाई कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अभी इसमें मुकदमे की कार्यवाही शुरू होने की दूर–दूर तक संभावना नहीं है। इसलिए उच्च न्यायालय ने श्जेल अपवाद और बेल नियम्व्य का सिद्धांत लागू किया। ये दोनों मामले देश में कानून के राज और न्याय की भावना के रोजमर्रा के स्तर पर जारी उल्लंघन की मिसालें हैं। मुद्दा सिर्फ परवेज या उन जैसे लोगों को सताने का नहीं है। सवाल है कि उनके खिलाफ अभियोग पक्ष के पास अकाट्य साक्ष्य हैं, तो न्यायिक कार्यवाही में उन्हें सड्डे काफ़ान सजा दिलाने की तत्परता वह क्यों नहीं दिखाता? ऐसा नजरिया क्यों अपनाया गया है, जिससे प्रक्रिया को ही दंड बना देने का अस्वीकार्य चलन अस्तित्व में आया है?

यह न्यूजविलक की खुशकिस्मती है कि उस पर मुकदमा चला। बहरहाल, न्याय होने से पहले उसके संपादक एवं अन्य पदाधिकारियों को महीनों जेल में गुजारने पड़े, एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतां के घर पर छोपे पड़े जिससे उनकी प्रतिष्ठा को भारी क्षति पहुंची। आखिर इन सबकी भरपाई कैसे होगी? अतरू क्या अब वक्त नहीं आ गया है, जब निराधार आरोप गढ़ने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए? साथ ही जिसकी जिंदगी अस्थिर और परेशान होती है, उन्हें उचित मुआवजा देने का प्रावधान किया जाए?

जल शक्ति विकसित भारत की यात्ना को दे रही है गति

क्या आप जानते हैं कि जल जीवन मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम है? या फिर स्वच्छ भारत मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण स्वच्छता अभियान है, जिसने लोगों की सोच और व्यवहार में अभूतपूर्व बदलाव लाया है? और क्या आपको पता है कि नमामि गंगे आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी नदी पुनर्जीवन योजनाओं में शामिल है?ये सभी पहल केवल सरकारी योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इस बात का उदाहरण हैं कि 145 करोड़ आबादी वाला भारत किस तरह पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।जब इतिहासकार भारत की विकास यात्रा को देखेंगे, तो संभव है कि वे पिछले 12 वर्षों को वह दौर बताएं, जब र्जलश्र देश के विकास का सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया। मानव सम्मान, आर्थिक विकास, जनस्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण संरक्षण पर पानी जितना प्रभाव डालता है, उतना शायद ही कोई दूसरा क्षेत्र डालता हो। लेकिन कई दशकों तक भारत में जल संबंधी समस्याओं का समाधान अलग–अलग और बिखरे हुए तरीकों से किया जाता रहा। पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत, गंभीर और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया।पिछले 12 वर्षों में जल क्षेत्र में जितने बड़े पैमाने पर निवेश और काम हुआ है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। लेकिन इस बदलाव की अहमियत केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। आज पानी को पूरे देश की साझा प्राथमिकता माना जा रहा है, जिसमें सभी विभाग, राज्य, समुदाय और आने वाली पीढ़ियाँ भागीदार हैं। पहले जल क्षेत्र को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती थी, लेकिन प्र्धानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जल क्षेत्र की योजना, प्रबंधन और सेवाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी उठाई। इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है। जब यह मिशन शुरू हुआ था, तब केवल लगभग 3.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों, यानी करीब 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में ही नल से जल की सुविधा थी। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी 81 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुँच चुका है। सरकार का लक्ष्य 2028 तक 100 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को यह सुवि्धा उपलब्ध कराना है।



कई फैसले लिए, जिसकी वजह से भारत के आपातकाल को देश का सबसे काला दिन कहा जाता है। उस दौर में इमरजेंसी का विरोध करने की सजा जेल होती थी और इस दौरान 21 महीने में 11 लाख लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में भेजा गया। इस दौरान लोगों ने शासन का क्रूर चेहरा

देखा था, जिसमें जनता नहीं शासन और उसके आका सर्वशक्तिमान बन बैठे थे। लोक पीछे छूट गया था और तंत्र सर्वोपरि हो गया था।कहा जाता है कि उस दौर में देश प्रधानमंत्री कार्यालय से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री आवास से चलता था, जहां संजय गांधी रहते थे। विपक्ष की आवाज

को दबाने के बाद इंदिरा गांधी ने संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल पर भी रोक लगा दी। आपको बता दें कि संसद के दोनों सदन यानी लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही के पहला घंटे में संसद सदस्य कोई भी प्रश्न पूछ सकते हैं। इसे प्रश्नकाल बोलते हैं। लेकिन इंदिरा गांधी को उस दौर

में प्रश्न पूछना भी बर्दाश्त नहीं था। इंदिरा गांधी के इस फैसले पर तब के लोकसभा अध्यक्ष जीएस ढिल्लों आंखें बंद किए रहे। इसके बाद इंदिरा गांधी ने संविधान में अपने हिसाब से संशोधन करने शुरू किए।इंदिरा गांधी के आपातकाल के फैसले के खिलाफ कई लोगों ने कोर्ट में अपील की। तो 22 जुलाई 1975 को इंदिरा गांधी ने संविधान में संशोधन कर न्यायपालिका यानी कोर्ट से आपातकाल के फैसले पर सुनवाई का अधिकार ही छीन लिया। इसे 38वां संशोधन कहा जाता है। इसके बाद 39वां संविध्ान संशोधन कर कोर्ट से प्र्धानमंत्री पद पर नियुक्त व्यक्ति के चुनाव की जांच करने का अधिाकार ही छीन लिया गया। यानी इंदिरा गांधी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट अब चुनाव में धांधली के मामले की सुनवाई कर ही नहीं सकता था।इमरजेंसी में अभिव्यक्ति

की आजादी का गला घोट दिया गया था। सरकार अपने खिलाफ कोई भी आवाज नहीं सुनना चाहती थी। अब हम आपको बताते हैं कि किस तरह इमरजेंसी के रोड–रोलर से प्रेस की आजादी को कुचला गया। 25 जून 1975 की आधी रात को इमरजेंसी लगाई गई और अखबारों के दफ्तरों में उसी रात को पावर सप्लाई जानबूझकर काट दी गई ताकि ज्यादातर अखबार अगले दिन आपातकाल का समाचार ना छाप सकें। अखबारों के दफ्तरों को दो दिन बाद पावर सप्लाई की गई।संजय गांधी ने इमरजेंसी के दो दिन बाद ही सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल को हटाकर अपने करीबी विद्याचरण शुक्ल को मंत्री बना दिया और विद्याचरण शुक्ल के जरिए सरकार ने मीडिया पर मनमानी की। कड़ी सेंसरशिप की वजह से कई अखबारों का प्रकाशन

बंद हो गया। पत्रकारों के लिए सरकार ने कोड ऑफ कंडक्ट बना दिया। अखबारों के बोर्ड में सरकारी अफसर बैठा दिए गए। जो हर खबर पर नजर रखते थे। देश की चार बड़ी न्यूज एजेंसियों पीटीआई, यूएनआई, हिंदुस्थान समाचार और समाचार भारती का विलय करके सरकार ने एक समाचार एजेंसी बना दी थी। ताकि खबर का हर स्रोत पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण में रहे। रायटर सहित कई विदेशी न्यूज एजेंसियों के टेलीफोन और दूसरी सुविधाएं खत्म कर दी गईं। 51 विदेशी पत्रकारों की मान्यता छीन ली गई। 29 विदेशी पत्रकारों को भारत में एंट्री देने से मना कर दिया गया।ये भी बड़ी हैरानी की बात है कि आज हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री के लिए इमरजेंसी वाली कहानी एक सुपरहिट स्क्रिप्ट नहीं है।

महाराष्ट्र विधानसभा में शरिया कानून और बहुविवाह की वकालत करने वाली सना मलिक से कुछ सवाल

हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा में समान नागरिक संहिता, तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हुई चर्चा अचानक उस समय भड़क उठी जब सना मलिक ने खुलेआम कहा कि भारत में भी पाकिस्तान की तरह इस्लामिक कानून लागू होना चाहिए।अगर भारत में रहकर किसी को पाकिस्तान का कानून, शरिया आधारित व्यवस्था या कुरान के नाम पर चलने वाला शासन इतना ही पसंद है, तो सबसे पहले उसे भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था का लाभ उठाना बंद कर देना चाहिए और उसी देश में जाकर बस जाना चाहिए जिसकी व्यवस्था की वह इतनी खुलकर वकालत कर रहा है। भारतीय संविधान की

शपथ लेकर चुनाव जीतना, विधायक बनकर लोकतंत्र के मंदिर में पहुंचना और फिर उसी सदन में खड़े होकर पाकिस्तान जैसे देश के कानून की तारीफ करना केवल गैर जिम्मेदाराना नहीं, बल्कि देश की संवैधानिक आत्मा का अपमान है। शर्मनाक बात यह है कि यह बयान किसी कट्टरपंथी संगठन के मंच से नहीं, बल्कि महाराष्ट्र विधानसभा के भीतर भाजपा की सहयोगी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सना मलिक ने दिया।हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा में समान नागरिक संहिता, तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हुई चर्चा अचानक

उस समय भड़क उठी जब सना मलिक ने खुलेआम कहा कि भारत में भी पाकिस्तान की तरह इस्लामिक कानून लागू होना चाहिए। उन्होंने कुरान और मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए बहुविवाह और तीन तलाक का समर्थन किया। यह बयान उस समय आया जब सदन में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों और उनके साथ हो रहे अत्याचारों पर गंभीर चर्चा चल रही थी।पूरा मामला भाजपा विधायक देवयानी फरांदे द्वारा नियम 105 के तहत प्रस्तुत ध्यानाकर्षण नोटिस से शुरू हुआ। उन्होंने सदन में कहा कि केंद्र सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून

बनाया, लेकिन महाराष्ट्र में उसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि मुस्लिम महिलाओं को आज भी बहुविवाह, घरेलू हिंसा और तलाक जैसी समस्याओं से गुजरना पड़ रहा है। देवयानी फरांदे ने बताया कि पिछले डेढ़ महीने में तीन मुस्लिम महिलाएं सहायता के लिए उनके पास पहुंचीं। किसी महिला के अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई, तो किसी के पति ने उस पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने सरकार से पूछा कि आखिर समान नागरिक संहिता कब लागू होगी और इसके लिए क्या विशेष कार्यबल बनाया जाएगा?लेकिन मुस्लिम महिलाओं के दर्द और उनके अधिकारों की

चर्चा के बीच सना मलिक ने जिस तरह पाकिस्तान और इस्लामिक कानून का समर्थन किया, उसने पूरे सदन का माहौल गरमा दिया। सना मलिक ने कहा कि पाकिस्तान ने कोई नया कानून नहीं बनाया, बल्कि कुरान में जो व्यवस्था दी गई है, उसका पालन किया है और भारत को भी पाकिस्तान की तरह कुरान के नियमों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बहुविवाह केवल मुस्लिम समाज में नहीं, बल्कि हर धर्म में होता है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह तक कह दिया कि मुसलमानों में बहुविवाह का तरीका सिखाया गया है और उसका पालन होना चाहिए, इसके लिए कानून बनाया जाना चाहिए।देखा जाये तो यह बयान केवल राजनीतिक विवाद नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता को उजागर करता है जो भारत के संविधान से ऊपर मजहबी कानून को रखने की कोशिश करती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक महिला विधायक होकर भी सना मलिक को उन हजारों, लाखों मुस्लिम महिलाओं का दर्द क्यों नहीं दिखाई देता जो बहुविवाह और तीन तलाक जैसी प्रथाओं की वजह से वर्षों तक प्रताड़ना झेलती रही हैं। देश में कई ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं जहां कई पत्नियां रखने वाले पुरुषों

पर महिलाओं के शोषण, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगे। इसके बावजूद बहुविवाह को जायज ठहराना आखिर किस मानसिकता का परिचायक है?उधर, सना मलिक के बयान पर प्रतिक्रियाएं भी आने लगी हैं। भाजपा विधायक अतुल भातखलकर ने सना मलिक के बयान पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि चर्चा का विषय तीन तलाक कानून का क्रियान्वयन है, पाकिस्तान या मजहबी परंपराएं नहीं। उन्होंने साफ कहा कि यह देश संविधान से चलता है, कुरान से नहीं। यहां पाकिस्तान और ंामिक कानूनों की वकालत करने की कोई आवश्यकता नहीं है। भाजपा और शिवसेना के विधायकों ने भी सना मलिक के बयान का जोरदार विरोध किया।महाराष्ट्र सरकार की ओर से गृह मंत्री योगेश कदम ने कहा कि महायुति सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएगी। उन्होंने उत्तराखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां लागू समान नागरिक संहिता कानून में बहुविवाह पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है ।

रिफार्म एक्सप्रेस के अंतर्गत बढ़ रही न्यायिक सुगमता

अर्जुन राम मेघवाल न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है। हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध परंपरा तथा उसके स्थायी प्रतीक सांस्कृतिक रूप से उन संस्थागत व्यवस्थाओं को दर्शाते हैं जिन्होंने मानव सभ्यता की विकास यात्रा को सही मार्ग पर आगे बढ़ाया, मार्गदर्शन किया और निरंतर आगे बढ़ने में सहायता की। मानव सभ्यता के अनवरत विकास के फलस्वरूप ज्ञान–विज्ञान और तकनीक से समृद्ध आधुनिक समाज में एक–दूसरे से जुड़े व्यक्तियों और समुदायों के आपसी संबंधों में भी विभिन्न विचारों और मतों के कारण परिवर्तन आया है, तथापि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी उन्नति ने देश की सीमाओं से आगे जाकर विचारों के निर्बंध आदान–प्रदान को और अधिक सुगम बनाया है। अनादि काल से, एक विचार की दूसरे विचार पर श्रेष्ठता स्थापित करने की होड़ न्यायशास्त्र के विकास की एक मजबूत नींव रही है। युगों से विचारों और मूल्यों के इस अंतर्संचयन के बीच न्यायिक संस्थानों ने सत्य, निष्पक्षता और विधि के शासन में लोगों के विश्वास को पुनरुत्थापित करने की जिम्मेदारी निभाई है। इन्होंने एक सेतु का काम किया है जो प्रत्येक संबंधित पक्ष को, यहाँ तक कि उन लोगों को भी जो स्वयं को अलग–थलग महसूस करते हैं, न्याय और सामूहिक कल्याण की एक व्यापक प्रक्रिया से जुड़ाव, विश्वास और सहभागिता का अनुभव कराता है।

समाज के निर्माण की दिशा में सतत मार्गदर्शन प्रदान करती है। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय की त्रिवेणी अर्थात राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श संस्थाओं और व्यक्तियों दोनों के लिए एक नैतिक दिशासूचक के रूप में कार्य करते हैं। स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्राप्त हुआ जिसने हमारे राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए नैतिक कानून तथा विभिन्न नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते। हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है। फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैं तो शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है जिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014 को हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया।

देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में संपूर्ण शासन व्यवस्था ने रिफॉर्म एक्सप्रेस से प्रेरित विकास की प्रक्रिया को तेजी से अपनाते हुए सशक्तिकरण की शक्ति का परिचय दिया है। इसकी यात्रा को संक्षेप में इस प्रकार बताया जा सकता है कि यह जमीनी स्तर से शर्ज ऑफ लिविंग्ग को बढ़ावा देने का प्रयास है। साथ ही, राष्ट्र प्रथम के दृष्टिकोण को शीर्ष स्तर से लागू करना भी इसका उद्देश्य है। इसी प्रकार, भारत की न्यायिक सुधारों की यात्रा भी व्यापकता, नवाचार और गहन सामाजिक एवं सभ्यतागत प्रतिबद्धता की एक प्रेरक गाथा रही है। यह एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें विधायी आ् नुनिकीकरण, संस्थागत सुदृढीकरण और डिजिटल नवाचार शामिल हैं। शर्ज ऑफ जस्टिसस्य हमारे लिए मात्र एक कथन नहीं है बल्कि यह एक सुधार का मंत्र है जिसमें न्याय के लिए अदालत की शरण में जाने वालों के लिए शर्ज ऑफ इंगेजमेंटच, अधिवक्ताओं और न्यायाधिशों के लिए शर्ज ऑफ वर्किंगच तथा नागरिकों के लिए शर्ज ऑफ अंडरस्टैंडिंग शामिल है।

न्याय हेतु अदालतों की शरण में जाने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए दिशा योजना के तहत टेली—लॉ, न्याय बंधु और प्रो बोनो सेवाओं के विस्तार ने न्याय प्राप्ति को अत्यंत सुलभ और किफायती बना दिया है। कॉमन सर्विस सेंटर के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से संचालित टेली—लॉ कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के 112 लाख से अधिक लाभार्थियों को अदालतों में मुकदमे दायर करने से पहले मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्त करने का लाभ मिला है। ई—फाइलिंग और ई—सेवा केंद्र की सेवाओं ने अदालत में मुकदमा दायर करने वाले व्यक्तियों और न्यायिक व्यवस्था के बीच नियमित संवाद एवं संपर्क को और अधिक सरल बनाया है। आधुनिक प्रौद्योगिकी और सामुदायिक सहभागिता के समन्वय का भारत का यह अनूठा मॉडल वैश्विक स्तर पर एक मानक के रूप में उभरा है। अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों के लिए शर्ज ऑफ वर्किंगच को डिजिटल

और भौतिक अवसंरचना दोनों में व्यापक विस्तार द्वारा उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया गया है। जूकि जिला एवं अधीनस्थ न्यायपालिका देश के अधिकांश नागरिकों के लिए न्यायिक व्यवस्था का पहला संपर्क बिंदु है, अतः इससे सुदृढ़ करना एक अनिवार्य और व्यावहारिक प्राथमिकता बनी हुई है। इसी दृष्टि से, केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत न्यायालय भवन, अधिवक्ता कक्षों, आवासीय इकाइयों तथा डिजिटल अवसंरचना के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, देश में न्यायालय भवनों की संख्या वर्ष 2014 के 15,818 से बढ़कर 22,712 हो गई है तथा अत्याधुनिक एकीकृत न्यायालय परिसरों के विकास हेतु वर्ष 2014 के बाद से अब तक 9,400.40 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 7200 करोड़ रुपए के बजटीय परिय्यय से शुरू की गई ई—कोर्ट चरण—दृढ़दृढ़दृढ़ परियोजना का उद्देश्य न्यायालयों को पूर्णतरू डिजिटल, पेपरलेस और एआई—सक्षम न्याय वितरण संस्थानों में परिवर्तित करना है। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं, वर्चुअल कोर्ट और अदालती कार्यवाही की लाईव स्ट्रीमिंग जैसी पहलोंने न्यायपालिका को लोगों के और करीब ला दिया है तथा न्याय वितरण को अधिक सुलभ, पारदर्शी और कुशल बनाया है।

भारत जैसे भाषाई विविधता वाले देश में नागरिकों के लिए शर्ज ऑफ अंडरस्टैंडिंग का होना शर्ज ऑफ जस्टिसस्य के व्यापक दांचे का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर और भाषिणी जैसे एआई—संचालित नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग उपकरण उच्चतम न्यायालय के निर्णयों एवं आदेशों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं, जिससे आम जनता के लिए कानूनी जानकारी अधिक सुलभ हो रही है। इस प्रयास को और अधिक सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड जो एक सांख्यिकीय एवं विश्लेषणात्मक मंच है, 340 मिलियन से अधिक अदालती आदेशों एवं उनसे संबंधित जानकारियों के विशलेषण तक एक क्लिक में पहुंच प्रदान करता है।

आज का राशिफल

मे़ष राशि—

मे़ष राशि वालों आज के दिन आप ऊर्जावान रहेंगे। व्यापार से रिलेटेड नई योजनाएं बना सकते हैं, जिससे आपकी आय के स्रोत खुलेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा

वृ़ष राशि—

वृ़ष राशि वालों आपके लिए आज का दिन खुशनुमा रहेगा। आज आपको कुछ नये लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा, साथ ही आपको नया प्रोजेक्ट मिलने के योग है,

मि़थुन राशि

मि़थुन राशि वालों आज आपका दिन लकी रहेगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

कर्क़ राशि—

कर्क़ राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। आपके व्यवसाय में लाभ मिलेगा।

सिंह राशि—

सिंह राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। स्पेड्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिंग में पूरी मेहनत लगायेंगे।

कन्या राशि—

कन्या राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा, जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आप दोनों के बीच आपसी रिश्ते और अच्छे होंगे।

तुला राशि—

तुला राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपके द्वारा बनाई गई योजना कारगर साबित होगी।

वृ़श्चिक राशि—

वृ़श्चिक राशि वालों आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में चीज़ें आपके अनुकूल रहेंगी।

धनु राशि—

धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आप नौकरीपेशा हैं तो कार्यस्थल पर आपकी स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपकी पदोन्नति के साथ आपका कार्यभार भी बढ़ेगा।

मकर राशि—

मकर राशि वालों आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपके व्यवसाय में विस्तार के साथ आय के स्रोत विकसित होंगे।

कुम्भ राशि—

कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कार्य स्थल पर सहकर्मियों के साथ आपका अच्छा बर्ताव आपकी सफलता में सहायक होगा।

मीन राशि—

मीन राशि वालों आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतरीन रहने वाला है। आज ऑफिस के कार्य को पूरा करने के लिए आपको कुछ अधिक ध्यान करनी पड़ सकती है।

सिवनी मालवा प्रकरण के 14 गौसेवकों को सवैधानिक राहत देने की मांग

अर्न्तराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल ने भेजा जापन

बस्ती । बुधवार को अर्न्तराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रान्त उपाध्यक्ष डा संजय द्विवेदी, जिला अध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में पदाधिकारी और गौमत्त नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चौक पर एकत्र हुये। यहां से पद यात्रा करते हुये जिलाह्ाकारी कार्यालय पहुंचे और सिवनी मालवा प्रकरण में आजीवन कारावास की सजा प्राप्त 14 गौसेवकों के संबंध में गृह मंत्री, मध्य प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभाध्यक्ष को सम्बोधिात ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। 4 सूत्रीय ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 161 के अंतर्गत उपलब्ध दया, दंड–लघुकर्ण, दंड–परिवर्तन एवं अन्य वैधानिक राहतों पर मानवीय आधार पर विचार करने का अनुरोध ा किया गया है।ज्ञापन में दोषसिद्ध व्यक्तियों की सामाजिक एवं पारिवारिक परिस्थितियों, कारावास

आकांक्षा यादव ने कृषि प्राविधिक सहायक पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम किया रोशन

आजमगढ़ (आर एन एस)आजमगढ़ जनपद के मेंहनगर तहसील अंतर्गत बोगरिया बाजार के पास ग्राम खजूरा की रहने वाली आकांक्षा यादव जिन्होंने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ में कृषि प्राविधिक सहायक के पद पर चयन पाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बताते चले कि इनकी प्रारंभिक शिक्षा आर के पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल कटहन सिंहपुर आजमगढ़ से हुई और इनका स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा श्री दुर्गा जी पी जी कॉलेज चंद्रेश्वर आजमगढ़ से पूरी हुई है। स्नातक में इन्हें पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के द्वारा गोल्ड मेडल भी दिया गया था।इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और गुरुजनों को बताया। आकांक्षा ने बताया कि माता–पिता और गुरुजनों के दिखाए गए सही दिशा निर्देश के अनुसार मैंने अपनी शिक्षा दीक्षा ग्रहण की जिससे आज मुझे सफलता प्राप्त हुई है। आकांक्षा के पिता श्री विष्णु देव यादव श्री दुर्गा जी पीजी कॉलेज चंद्रेश्वर में एग्रीकल्चरल डिपार्टमें में प्रोफेसर है आकांक्षा के दादाजी भी भूमि संरक्षण निरीक्षण अधिकारी रह चुके हैं।आकांक्षा के भाई धर्मल पावर कारपोरेशन में इंजीनियर है। इस तरह से देखा जाए तो आकांक्षा के पूरे परिवार में शिक्षा को अधिक से अधिक महत्व दिया गया जिस वजह से आकांक्षा को इस तरह की सफलता प्राप्त करने में बहुत ज्यादा कठिनाई नहीं हुई।

जनपद की प्रमुख सड़क,क्षेत्र के विकास को लेकर तीसरे दिन भी जारी रहा धरना

आजमगढ़ (आर एन एस)निजामाबाद कस्बे के समग्र विकास की मांग को लेकर समाजसेवी एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र उर्फ लालू मिश्रा के नेतृत्व में शेरपुर तिराहा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास चल रहा अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन बुावार को तीसरे दिन भी जारी रहा। क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित इस धरने में विभिन्न गांवों, कस्बों और सामाजिक गठनों के लोगों ने पहुंचकर अपना समर्थन व्यक्त किया तथा आंदोलन को जनहित से जुड़ा बताते हुए मांगों को शीघ्र पूरा किए जाने की मांग की। अरुण कुमार मिश्र ने कहा कि निजामाबाद अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक स्थलों, साहित्यिक गौरव और सांस्कृतिक पहचान के लिए पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है, लेकिन विडंबना यह है कि वर्षों से लगातार उपेक्षा का शिकार होने के कारण क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से पीछे छूट गया है। उन्होंने कहा कि सरकारों और जनप्रतिनिधियों द्वारा

महिलाओं के समग्र उन्नयन हेतु अग्रसर है योगी सरकार - बबीता सिंह चौहान

आजमगढ़, (आर एन एस)उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष श्रीमती बबीता सिंह चौहान ने बुधवार को अपने जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण, बालिका सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा महिला कल्याण योजनाओं की जमीनी स्थिति का व्यापक निरीक्षण एवं समीक्षा की। उन्होंने जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया, सर्किट हाउस में महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की तथा अन्तर्ग्राहक आरोग्य पहुंचकर महिला बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग द्वारा 20 छात्र–छात्राओं को टैबलेट भी वितरित किए गए।कार्यक्रम के प्रारंभ में अध्यक्ष ने जिला महिला चिकित्सालय पहुंचकर गोद भराई, अन्तर्ग्राहण एवं कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं नवजात शिशुओं को पोषण पोटीली वितरित करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय की स्वास्थ्य

आचरण सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों का समुचित मूल्यांकन कर निर्धारित सिद्धांतों के अनुरूप सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लिया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से जिला सौनूर,राजवीर, धर्मैद चौहान राजू कन्नौजिया, प्रमोद पाण्डेय, सत्येन्द्र मिश्रा, जिला मंत्री विनोद निषाद,कबी चौधरी, जिला गौ रक्षा प्रमुख कृष्ण अवतार चौधरी, हरेंद्र ,सचिन सोनू,राजवीर, धर्मैद चौहान राजू निषाद गोविंद शिवा, चंद्रशेखर राम शब्द , बृजभान, मनोज,राम शंकर, सचिन,विजय, मंगल मणि शिव नन्द,दिलीप पृथ्वी पाल सत्य राम अंकुर विष्णु सुशील हरेंद्र के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आजमगढ़ (आर एन एस)आजमगढ़ जनपद के मेंहनगर तहसील अंतर्गत बोगरिया बाजार के पास ग्राम खजूरा की रहने वाली आकांक्षा यादव जिन्होंने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ में कृषि प्राविधिक सहायक के पद पर चयन पाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बताते चले कि इनकी प्रारंभिक शिक्षा आर के पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल कटहन सिंहपुर आजमगढ़ से हुई और इनका स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा श्री दुर्गा जी पी जी कॉलेज चंद्रेश्वर आजमगढ़ से पूरी हुई है। स्नातक में इन्हें पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के द्वारा गोल्ड मेडल भी दिया गया था।इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और गुरुजनों को बताया। आकांक्षा ने बताया कि माता–पिता और गुरुजनों के दिखाए गए सही दिशा निर्देश के अनुसार मैंने अपनी शिक्षा दीक्षा ग्रहण की जिससे आज मुझे सफलता प्राप्त हुई है। आकांक्षा के पिता श्री विष्णु देव यादव श्री दुर्गा जी पीजी कॉलेज चंद्रेश्वर में एग्रीकल्चरल डिपार्टमें में प्रोफेसर है आकांक्षा के दादाजी भी भूमि संरक्षण निरीक्षण अधिकारी रह चुके हैं।आकांक्षा के भाई धर्मल पावर कारपोरेशन में इंजीनियर है। इस तरह से देखा जाए तो आकांक्षा के पूरे परिवार में शिक्षा को अधिक से अधिक महत्व दिया गया जिस वजह से आकांक्षा को इस तरह की सफलता प्राप्त करने में बहुत ज्यादा कठिनाई नहीं हुई।

समय–समय पर विकास के वादे किए गए, लेकिन धरातल पर अपेक्षित कार्य नहीं हो सके। इस क्षेत्र में हरी सब्जी का उत्पादन,आमों की पैदावार,ब्लैक पॉटरी के उत्पादन को सुगमता से पहुंचाने के लिए के टी एम रोड को एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाए,तथा जनपद मुख्यालय को जोड़ने वाली भदुली निजामाबाद मार्ग का चौड़ीकरण किया जाए परिवहन विहीन मुख्यालय को परिवहन से जोड़ा जाए इन्हीं समस्याओं और आवश्यकताओं से जुड़ी हुई हैं। अरुण कुमार उर्फ लालू मिश्रा ने कहा कि जब तक प्रशासन एवं शासन स्तर पर मांगों के संबंध में सकरात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक यह अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। आज धरने के तीसरे दिन निजामाबाद

समाजवादियों ने महारानी दुर्गावती को बलिदान दिवस पर किया नमनः योगदान पर विमर्श

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को महारानी दुर्गावती का 462 वां बलिदान दिवस जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में मनाया गया। पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया। इसी कड़ी में लखनऊ के कोचिंग में अग्निकाण्ड से 15 छात्रों, कर्मियों की मौत पर दुःख व्यक्त करते हुये सरकार से मांग किया गया कि दोषियों को कड़ा दण्ड देने के साथ ही मृतकों के परिजनों को समुचित मुआवजा दिलाया जाय।

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने रानी दुर्गावती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे देश की वो ऐसी वीरांगना हैं जिन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए मुगलों से युद्ध कर वीरगति

मंदिर परिसर में शराब और सिगरेट पीने का विरोध करने पर चौकीदार से मारपीट, आरोपियों पर मुकदमा दर्जः गिरफ्तारी की मांग

बस्ती । वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर चौकी अंतर्गत बंधुवा गांव में मंदिर परिसर में शराब और सिगरेट पीने का विरोध करना चौकीदार को महंगा पड़ गया। विरोध करने पर कुछ युवकों ने चौकीदार के साथ मारपीट कर दी तथा धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली अभद्र टिप्पणियां भी कीं। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बंधुवा निवासी एवं चौकीदार अभयराम यादव पुत्र स्वर्गीय रामशब्द यादव मंगलवार की शाम करीब छह

दोस्त की शादी में गया युवक लापता, तीसरे दिन एक्सप्रेस-वे किनारे मिला शवय परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

आजमगढ़(आर एन एस)दोस्त की शादी में शामिल होने निकला गोरखपुर का एक युवक सदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। उसकी बाइक पहले अतरौलिया क्षेत्र के गदनपुर स्थित टोल प्लाजा के पास लावारिस हालत में मिली और अगले दिन गोरखपुर–लंक एक्सप्रेस–वे के किनारे उसका शव बरामद हुआ। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से तहरीर देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।[जानकारी के अनुसार, गोरखपुर जिले के निवासी बाघागाड़ा ,टोला जीतपुर थाना गीड़ा, निवासी 26 वर्षीय जयसिंह निषाद पुत्र मिरर ारी निषाद सोमवार शाम करीब छह बजे दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए गोरखपुर अपनी स्प्लेंडर बाइक से घर से निकला था। मंगलवार सुबह भाई के फोन

शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध जारी रहेगा अभियान

आजमगढ़, (आर एन एस)जनपद में शासकीय भूमि, सार्वजनिक उपयोग की भूमि एवं राजस्व अभिलेखों में दर्ज विभिन्न खातों की भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के निर्देशन में प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सरकारी भूमि, सार्वजनिक मार्ग, चारागाह, पोखरी, बंजर तथा अन्य सार्वजनिक उपयोगी की भूमि पर अवैध कब्जा करने के प्रयासों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए आवश्यक द्ात्मक कार्रवाई की जाए।जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में तहसील मेहनगर प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण के मामलों की जांच कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उप जिलाधिकारी मेहनगर भूपाल सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग द्वारा की गई

को प्राप्त किया। वह बहुत ही बहादुर और साहसी महिला थीं। महान वीरांगना रानी दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने हाथों से अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। उनके बलिदान से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल ने कहा कि रानी दुर्गावती का जन्म पांच अक्तूबर 1524 को प्रसिद्ध राजपूत चंदेल सम्राट कीरत राय के परिवार में हुआ। इनका जन्म चंदेल राजवंश के कालिंजर किले में हुआ। भारत भूमि पर जन्म लेने वाली रानी दुर्गावती के साहस और वीरता की भी गाथाएं भरी पड़ी हैं. यह बात अलग है कि उन्हे इतिहास में वह स्थान और सम्मान नहीं मिला जो अन्य राजाओं और रानियों की वीरता को मिला है।मो. उमर, अरविन्द यादव, मो. सलीम,

बजे गांव के पूर्व दिशा स्थित माता मंदिर परिसर में साफ–सफाई कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान चौखा गांव निवासी बीरू पुत्र रफ्फन तथा छोटू पुत्र रफ्फन अपने कुछ साथियों के साथ मंदिर परिसर में पहुंचे और वहां बैठकर शराब एवं सिगरेट का सेवन करने लगे। चौकीदार अभयराम यादव द्वारा इसका विरोध किए जाने पर आरोपियों ने उनके साथ गाली–गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे। पीड़ित के अनुसार मारपीट में उन्हे हाथ–पैर में चोटें आई हैं। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने

बजे गांव के पूर्व दिशा स्थित माता मंदिर परिसर में साफ–सफाई कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान चौखा गांव निवासी बीरू पुत्र रफ्फन तथा छोटू पुत्र रफ्फन अपने कुछ साथियों के साथ मंदिर परिसर में पहुंचे और वहां बैठकर शराब एवं सिगरेट का सेवन करने लगे। चौकीदार अभयराम यादव द्वारा इसका विरोध किए जाने पर आरोपियों ने उनके साथ गाली–गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे। पीड़ित के अनुसार मारपीट में उन्हे हाथ–पैर में चोटें आई हैं। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने

गया युवक लापता, तीसरे दिन एक्सप्रेस-वे परियनों ने जताई हत्या की आशंका

करने पर उसने बताया कि वह रास्ते में है और जल्द घर पहुंच जाएगा। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया और उससे संपर्क नहीं हो सका।मृतक के भाई ने बताया कि, मंगलवार शाम करीब छह बजे पुलिस द्वारा सूचना मिली कि जयसिंह की बाइक अतरौलिया टोल प्लाजा के गदनपुर के पास लावारिस हालत में खड़ी मिली है। बाइक में चाबी भी लगी हुई थी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बाइक की पहचान की, लेकिन युवक की कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस और परिजनों ने देर रात तक तलाश की, मगर सफलता नहीं मिली।बुधवार सुबह गोरखपुर–लंक एक्सप्रेस–वे के प्लिर संख्या 60 गदनपुर के पास जयसिंह का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान

रन बहादुर यादव, कैलाश शर्मा, जमील अहमद, गुलाब सोनकर, शनि मिश्रा, राजेश यादव एडवोकेट, सुशील यादव, अभिषेक यादव आदि ने कहा कि गोड़वाना की रक्षा के लिये रानी दुर्गावती ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। रानी दुर्गावती की वीरता को सदैव स्मरण किये जाने की आवश्यकता है। रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रशान्त यादव, राजेन्द्र यादव, निसार अहमद, चन्द्र प्रकाश चौधरी, कुलदीप मोर्य, सत्येन्द्र सिंह, मान सिंह यादव, विवेक यादव, वैजनाथ शर्मा, राम सिंह यादव, अशोक यादव, रिन्दू यादव, मो. युनूस आलम,जोखूलाल यादव, मुरलीधर पाण्डेय, राजाराम यादव, घनश्याम यादव, मो. सलीम, नित्यराम चौधरी, देवनाथ यादव, जान मोहम्मद, निजामुद्दीन, आशुतोष पाण्डेय, अमित सिंह के साथ ही सपा के अनेक पदाधिाकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीच–बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। बताया जाता है कि आरोपी मौके से अपनी एक गाड़ी (यूपी–40 सी–4286) छोड़कर फरार हो गए, जबकि उनके कुछ अन्य साथी पहले ही वहां से भाग निकले थे।घटना के संबंध में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अभयराम यादव ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

शान्त कराया। बताया जाता है कि आरोपी मौके से अपनी एक गाड़ी (यूपी–40 सी–4286) छोड़कर फरार हो गए, जबकि उनके कुछ अन्य साथी पहले ही वहां से भाग निकले थे।घटना के संबंध में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अभयराम यादव ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

कराई। शव की पहचान जयसिंह निषाद के रूप में हुई।मृतक के भाई दुर्गेश और प्रदीप कुमार ने आरोप लगाया कि यह सड़क दुर्घटना का मामला नहीं हो सकता। उनका कहना है कि यदि हादसा हुआ होता तो बाइक और शव एक ही स्थान पर मिलते। बाइक का एक दिन पहले मिलना और शव का दूसरे स्थान पर बरामद होना हत्या की ओर इशारा करता है। उन्होंने अज्ञात लोगों पर हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है।जयसिंह पेशे से बढ़ई था और परिवार का मुख्य कमाऊ सदस्य था। उसके पिता आँटो चालक हैं। वह तीन भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था,अभी शादी नही हुई थी। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।थाना अध्यक्ष देवेद्र नाथ दुवे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

विवाहिता की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

आजमगढ़ (आर एन एस)अतरौलिया थाना क्षेत्र के देवरा पट्टी गांव में मंगलवार की रात एक विवाहिता की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 40 वर्षीय डाली गुप्ता पत्नी सदानंद के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।मृतका के मायके पक्ष,आकाश गुप्ता निवासी हैदरगंज गुमुनियाबाद थाना कोतवाली जनपद अयोध्या, ने पति सदानंद गुप्ता एवं अन्य ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की बहन शिल्पी गुप्ता तथा मां इंद्रावती ने बताया कि डाली की शादी लगभग दस वर्ष पूर्व देवरा पट्टी निवासी सदानंद गुप्ता से हुई थी। उनका आरोप है कि विवाह के बाद से ही डाली को प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों ने आरोप लगाया कि पारिवारिक विवाद और आर्थिक परेशानियों के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया है।मृतका की 15 वर्षीय पुत्री श्रेया गुप्ता ने बताया कि उसकी मां कुछ दिन पूर्व मौके गई थी और वहां से सकुशल वापस लौटी थी। घर लौटते समय माता–पिता के बीच किसी बात को लेकर कहाशुनी हुई थी। श्रेया के अनुसार, वह पड़ोस में फोन करने गई थी और करीब 15 मिनट बाद लौटने पर घर में अफरा–तफरी का माहौल था। उसने बताया कि पहले उसे बताया गया कि उसकी मां ने फंसी लगा ली है, जबकि बाद में कहा गया कि वह केवल बेहोश है। मायके पक्ष का आरोप है कि घटना के बाद ससुराल पक्ष ने मामले को दबाने का प्रयास किया तथा मृतका की पुत्री का मोबाइल फोन भी ले लिया गया, ताकि वह अपने ननिहाल पक्ष को सूचना न दे सके। हालांकि किसी अन्य फोन से उसने अपने मामा आकाश गुप्ता को घटना की जानकारी दी। मृतका के भाई आकाश गुप्ता ने बताया कि उन्हे रात लगभग साढ़े आठ बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद वे अयोध्या से देवरा पट्टी के लिए रवाना हुए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मृतका केवल बेहोश थी तो उसे तत्काल अस्पताल क्यों नहीं पहुंचाया गया। आकाश गुप्ता ने अतरौलिया थाने में लिखित तहरीर देकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनकी बहन 21 जून को ससुराल आई थी तथा 23 जून की रात उनके भतीजे अमन ने फोन कर उसकी मौत की सूचना दी। मृतका अपने पीछे 17 वर्षीय पुत्र प्रियांशु और 15 वर्षीय पुत्री श्रेया को छोड़ गई हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।थानाध्यक्ष देवेंद्र दुवे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा प्राप्त तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

परमित शर्तो के उल्लंघन पर एआरटीओ प्रवर्तन की बड़ी कार्रवाई, 05 बसें सीज

आजमगढ़, (आर एन एस)जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा परिवहन नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अतुल कुमार यादव के नेतृत्व में विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रोडवेज बस स्टेशन के आसपास परमित की शर्तों के विपरीत संचालित हो रही बसों के सिरक भेज दिये गए की गई।जांच के दौरान पाया गया कि कई निजी बसें निर्धारित मार्ग एवं परमित की शर्तों का उल्लंघन करते हुए रोडवेज बस स्टेशन के निकट अवैध रूप से सवारी भर रही थीं। यह गतिविधि न केवल परिवहन नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यातायात व्यवस्था को खतरा उत्पन्न करती है।उक्त अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए एआरटीओ प्रवर्तन अतुल कुमार यादव द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई तथा परमित शर्तो के उल्लंघन के अभियोग में 05 बसों को सीज कर थाना कोतवाली में निरुद्ध कराया गया। संबंधित वाहन स्वामियों एवं संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई भी की जा रही है।एआरटीओ प्रवर्तन ने स्पष्ट किया कि परिवहन विभाग द्वारा ऐसे वाहनों के विरुद्ध आगे भी निरंतर अभियान चलाया जाएगा जो बिना अनुमति अथवा परमित की शर्तों के विपरीत संचालन कर रहे हैं। उन्होंने वाहन संचालकों से अपील की कि वे निर्धारित नियमों एवं परमित की शर्तों का पूर्णतः पालन करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी।परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध बसें संचालित वाहनों एवं नियमों की अनदेखी करने वाले संचालकों में हड़कंप की स्थिति रही। विभाग ने कहा कि जनहित एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

अन्योदय वर्ग को भी समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है- अध्यक्ष बैजनाथ रावत

आजमगढ़ (आर एन एस)उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के मा.अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने बुधवार को जनपद आजमगढ़ में भ्रमण करने के अन्तर्गत सर्किट हाउस में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों हेतु केन्द्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा हेतु सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक किया।प्रेस प्रतिनिधि प्रांय से संवाद के दौरान भो।मो अध्यक्ष ने बताया कि अन्त्योदय वर्ग के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केन्द्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को नियमानुसार अवसर प्रदान किया गया है। मा। प्रधानमंत्री व मा। मुख्यमंत्री जी सदैव वंचितों, शोषितों, गरीबों के प्रति गम्भीर हैं तथा वे प्रयासरत हैं कि अन्त्योदय वर्ग को भी समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि अपने जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों से मुलाकात और उनकी समस्याओं का निराकरण तथा राजकीय छात्रावासों, वृद्धा आश्रमों, अभ्युदय कोचिंग सेंटर आदि का भ्रमण एवं निरीक्षण कर जमीनी हकीकत को परखा गया, जोकि शासन के मंशानुकूल पाया गया।आजमगढ़ शहर में महारानी दुर्गावती जी के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने प्रतिभाग का महारानी दुर्गावती के जीवन संघर्ष व देश के प्रति उनके योगदान को रेखांकित किया।

अवैध कोचिंग, लाइब्रेरी और कंप्यूटर सेंटरों के विरुद्ध की जाए कार्रवाई : डीएम

-समीक्षा बैठक कर मातहतो को अभियान चला निरीक्षण के लिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जनपद में संचालित समस्त कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों एवं कंप्यूटर केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था व वैधानिकता के संबंध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई।बैठक में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कड़े दिशा निर्देश दिए। विकास प्राधिकरण सचिव की अध्यक्षता में तहसीलवार विशेष जांच समितियों के गठन के निर्देश दिए। जिसमें संबंधित तहसील के उप जिलाधिाकारी, क्षेत्राधिकारी फायर, विद्युत सुरक्षा एवं जिला विद्यालय निरीक्षक सदस्य होंगे। समिति अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित समस्त कोचिंग प्रशिक्षण संस्थानों की सघन जांच कर अवैध नियम विरुद्ध संचालित रहे संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर आख्या प्रस्तुत करेगी। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में अब तक केवल 8 संस्थान ही नियमानुसार पंजीत पाए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निरीक्षण के दौरान यदि कोई अपंजीत या मानकों का उल्लंघन करने वाला संस्थान संचालित पाया जाता है तो यूपी कोचिंग रेगुलेशन एक्ट 2024’ के सुसंगत प्राविधानों के अंतर्गत संबंधित के विरुद्ध कठोर दंडात्मक व विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जनपद में संचालित वैध कोचिंग संस्थानों में वातरायण एकेडमी, लक्ष्मी कोचिंग सेंटर कौबरा, शुक्ला कोचिंग हाउस सुभाष

फंदे से लटका मिला किसान का शव

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के चौरा गांव के एक किसान ने ट्यूबवेल के पास पेड़ पर साफ़ी से फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों का कहना है कि बैंक व निजी कर्ज होने से वह मानसिक रुप से परेशान रहता था।चौरा गांव निवासी पिंटू सिंह ने बताया कि उसका भाई छोटू सिंह (35) मंगलवार की शाम को घर से खाना खाने के बाद अपने ट्यूबवेल चला गया था। बुधवार की सुबह वहां जाने पर देखा कि उसका भाई अपने निजी ट्यूबवेल के पास के एक पेड़ पर साफ़ी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी होते ही स्वजन व ग्रामीण एकत्र हो गए। पुलिस सूचना दी। पुलिसकर्मी व ग्रामीणों ने मिलकर शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। छोटू की शादी नहीं हुई थी। वह तीन भाइयों में छोटा था। वह अक्सर अपने ट्यूबवेल पर ही रहता था। उसके भाई पिंटू ने बताया कि तीन माह पूर्व गांव के राजकुमार के खेत में आग लग गई थी तो किसान व उसके स्वजन ने उसके ही ट्यूबवेल की तार से आग लगने को जिम्मेदार ठहराया। इसके बदले में उसने 17 बोरी गेहूँ और कुछ नकद का हर्जाना भी दिया। इसके अलावा एक बैंक से उस पर केसीसी का डेढ़ लाख का कर्ज है। इसकी वसूली को लेकर कई बार बैंक से नोटिस भी आई थी। आर्थिक स्थिति अच्छी न होने से कर्ज अदा नहीं कर पा रहा था। इसे लेकर ही वह परेशान रहता था। ऐसे में संभावना है कि इसी से उसने खुदकुशी की है। इस मामले में राजापुर एसडीएम फूलचंद्र यादव ने बताया कि किसान के फंदा लगाकर जान देने और इसके वजह की जानकारी अभी नहीं है। इस मामले में संबंधित विभाग से जानकारी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बी पैक्स के अकाउंटेंट ने पिया फिनायल, मचा हड़कंप

चित्रकूट। सहकारिता विभाग के बी पैक्स समिति शिवरामपुर में बुधवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एकाउंटेंट सत्येंद्र ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होते ही पूरे विभाग में अफरा तफरी मच गई। एकाउंटेंट ने बताया कि उसका दो साल से वेतन नहीं मिला है। इससे वह परेशान है। एक चेक बना जिसका भुगतान नहीं किया जा रहा है। आनन फानन उसे सीएसबी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। शिवरामपुर पथरोड़ी गांव निवासी सत्येंद्र कुमार (40) ने बताया कि वह बी पैक्स समिति में एकाउंटेंट पद पर कार्यरत है। 2024 से उसका वेतन नहीं मिला है। ऐसे में उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। आरोप लगाया कि एक माह पूर्व उसका एक चेक बना लेकिन बैंक से भुगतान रोक दिया गया है। इन्हीं वजह से बुधवार की सुबह जब वह कार्यालय पहुंचा तो बाधरुम में रखे फिनायल को पी लिया। कार्यालय के कमरे में आते ही उसकी तबीयत खराब हुई और उल्टी होने लगी। इससे विभाग में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद समिति के सचिव जगन्नाथ और सहयोगी विजय पाल ने उच्चाधिकारियों को जानकारी देकर उसे सीएसबी में भर्ती कराया।

सड़क हादसो में महिला समेत छह लोग घायल

चित्रकूट। जिले के अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में महिला समेत छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें दो को प्रयागराज रेफर किया गया। झांसी मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग के रैपुरा थाना क्षेत्र के लालपुर आश्रम के पास एक ढाबे से सड़क की ओर आ रही बाइक पर प्रयागराज की ओर से आई कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दरियाधपुर गांव निवासी रोहित और करन घायल हो गए। कार लेकर चालक भाग निकला। स्थानीय लोगों की सूचना पर एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हाईवे के भरतकुश शिवरामपुर के बीच भांगा मोड़ पर पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पहरा गांव निवासी राममिलन और सुनीता देवी घायल हो गई। इसके अलावा कर्बी पहाड़ी मार्ग के नई दुनिया कर्बी के पास आमने सामने से बाइक की टक्कर हो गई। इसमें दोनों बाइक चालक बराछी रैपुरा निवासी मुन्नीलाल और गोविंद घायल हो गए। सभी घटनाओं में बाइक चालक हेलमेट नहीं पहने थे। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विभागीय टेट कराये जाने की पहल से शिक्षकों में प्रसन्नता

बस्ती । बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक जिला संयोजक देवेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में संघ के पदाधिकारियों ने जनपद के शिक्षकों की तरफ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधान परिषद सदस्य देवेद्र प्रताप सिंह और राज बहादुर चंदेल को कार्यरत बेसिक शिक्षकों के लिए विभागीय टेट आयोजित कराने का आदेश करवाने के लिए ध्ान्यवाद प्रस्ताव पारित करते हुए अमार व्यक्त किया जिला संयोजक देवेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी पत्र के माध्यम से अपर शिक्षा सचिव बेसिक को स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष निमय कुमार तिवारी एवं महामंत्री उमाशंकर सिंह डेरा दिनांक 06 जून 2026 को प्रस्तुत पत्र का अवलोकन कर आवश्यक कार्यवाही की जाय। उक्त पत्र में प्राथमिक शिक्षकों को टेट में सेवा वर्ष के आधार पर वेटेज अंक प्रदान करने और विभागीय टेट आयोजित करने तथा शिक्षकों की सेवा सुरक्षित करने का अनुरोध किया गया था। जिला सह-संयोजक विजय प्रकाश चौधारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के त्वरित एवं सकारात्मक पहल से पूरे प्रदेश के बेसिक शिक्षकों में नई आशा जागी है। इंद्रसेन मिश्र,महेश कुमार और राम भरत वर्मा ने कहा कि संगठन हमेशा शिक्षक हितों के लिए संघर्षरत है। किसी भी शिक्षक का कोई अहित नहीं होने पाएगा।बैठक के बाद संघ पदाधिाकारियों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र सौंपा। जिसमें मांग की गई कि उ0प्र0 सरकार द्वारा कार्यरत बेसिक शिक्षकों के लिए स्पेशल टेट के

सहस्वातेदार ने लगाया अवैध कब्जा और जान से मारने की धमकी का आरोप: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के मंगलबाजार निवासी प्रमोद चौबे ने पुलिस अधीक्षक बस्ती को प्रार्थना पत्र देकर मौजा बस्ती खास स्थित अपनी हिस्सेदारी की भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जे की शिकायत की है।प्रमोद चौबे पुत्र स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद चौबे ने एसपी को दिये पत्र में कहा है कि मौजा बस्ती खास के हाता संख्या 2037 एवं 2041 में वह सहस्वातेदार है। उनके अनुसार सह खातेदार जी. तनवीर अहमद द्वारा अपने हिस्से से अधिक भूमि पर निर्माण कार्य कारकाकर कब्जा किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि भूमि की पैमाइश के दौरान संबंधित लेखपाल ने भी निर्माण को नि्गारित हिस्से से अधिक बताया, लेकिन आरोपित पक्ष रिपोर्ट मानने को तैयार नहीं है।पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब वह अपने सहयोगियों के साथ निर्माण कार्य रुकवाने पहुंचे तो उनके साथ गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी देकर वहां से भगा दिया गया। शिकायतकर्ता ने स्वयं को आर्थिक रूप से कमजोर एवं दिव्यांग बताते हुए

लखनऊ, शुक्रवार 26 जून 2026ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल की हुई बैठक

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल की 68वीं बैठक बुधवार को विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। हाइब्रिड मोड में आयोजित इस बैठक में मध्य प्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, नामित गैरशासकीय सदस्यों तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।बैठक में विश्वविद्यालय के अकादमिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही करने तथा समसामयिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने संबंधी प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। बैठक का प्रमुख आकर्षण कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे द्वारा प्रस्तुत वह प्रस्ताव रहा, जिसमें .पि संकाय परिसर एवं .पि प्रक्षेत्र का नाम ‘भारत रत्न नानाजी देशमुख परिसर’ रखने की अनुशंसा की गई। प्रबंध मंडल ने इस प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के मूल उद्देश्यों एवं आदर्शों को आत्मसात करते हुए शिक्षा, अनुसंधान और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए

चकबंदी प्रक्रियाधीन ग्रामों की उप संचालक चकबंदी ने की समीक्षा

चित्रकूट। चकबन्दी आयुक्त की समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में एडीएम न्यायिक उप संचालक चकबन्दी अरुण कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को चकबन्दी प्रक्रियाधीन 20 वर्ष पुराने तथा 10 वर्ष पुराने ग्रामों की समीक्षा की गई। चकबन्दी प्रक्रियाध्ीन 20 वर्ष पुराने तथा 10 वर्ष पुराने तहसील मानिकपुर के ग्राम खरौंध, ऐंचवारा व सरैया में अपेक्षित प्रगति प्राप्त न होने के कारण चकबन्दी अधिकाारी तथा सहायक चकबन्दी अधिकाारी को कड़ी फटकार लगायी गई। ग्राम खरौंध में पुन: सीमांकन कार्य कराया जा रहा है। ग्राम खरौंध में पैमाइस संबंधी प्रकरणों के निस्तारण के सत्यापन के लिए ग्राम के चकदार राजरानी, शीतल प्रसाद पुत्र महोदय व पूर्व प्रधान शिवमूरत से उनके दूरभाष नंबर पर संपर्क किया गया। जिसमें तीनों चकदारों द्वारा अवगत कराया गया कि चक नाप कर कब्जा दे दिया गया है तथा मेड़े भी लगा ली गई हैं। ग्राम ऐंचवारा के पैमाइस संबंधी प्रकरणों का सात दिवस में निस्तारण कर अंतिम अभिलेखों का कार्य प्रारम्भ कर माह सितम्बर तक अंतिम अभिलेख पूर्ण कराने के निर्देश दिए। ग्राम सरैया के संबंध में चकबन्दी लेखपाल को निर्देशित किया कि अभिलेखागार में संचित पूर्व खतौनियों का मुआयना कर माह अगस्त तक आकार पत्र 11 पूर्ण करें। चकबन्दी प्रक्रियाधीन 10 वर्ष पुराने ग्रामों में धारा 8 (पड़ताल का कार्य चल रहा है। धारा 9 के अन्तर्गत कुल सात ग्रामों में सहायक चकबन्दी अधिकारीगण द्वारा विनिमय अनुपात का निध

बरगढ़ में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत चला प्रशासन का बुलडोजर

चित्रकूट। मऊ तहसील के बरगढ़ क्षेत्र में बुधवार को प्रशासन का बुलडोजर चला और सड़क किनारे के अवैध कब्जे धराशायी कर दिए गए। एसडीएम मऊ राम ऋषि रमन के नेतृत्व में बरगढ़ रेलवे बैरिपर से लेकर थाना बरगढ़ के आगे तक तथा स्टेशन रोड पर जेसीबी मशीन लगाकर सड़क के दोनों ओर बने अवैध चबूतरों, टीनशेड, गेट व अन्य अस्थायी निर्माणों को ध्वस्त कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि अतिक्रमण के कारण दोनों मार्गों पर लगातार जाम की स्थिति बनती थी और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। स्टेशन रोड पर अवैध कब्जों से रेलवे स्टेशन का श्च भी प्रभावित हो रहा था। ग्रामीण लंबे समय से इन्हें हटाने की मांग कर रहे थे। जिसके तहत एसडीएम राम ऋषि रमन के नेतृत्व में बुधवार को अभियान चलाकर अतिक्रमण हटावाया गया। एसडीएम ने बताया कि कार्रवाई से पूर्व अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए थे तथा लाउडस्पीकर से भी स्वयं कब्जा हटाने की बार-बार चेतावनी दी गई थी। निर्धारित समय बीतने के बाद भी अतिक्रमण न हटाए जाने पर जेसीबी से कार्रवाई की गई। उन्होंने शेष अतिक्रमणकारियों को स्वयं कब्जा हटाने का अंतिम मौका देते हुए कहा कि अगले चरण में प्रशासन कोरदार कार्रवाई करेगा। साथ ही दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर जुर्माना व विधिक कार्रवाई की सख्त चेतावनी दी।

श्रीराम मंदिर से चंदा चोरी के विरोध कांग्रेस ने प्रदर्शन कर राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

आस्था के नाम पर खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं- विश्वनाथ चौधरी

बस्ती। बुधवार को कांग्रेस प्रदेश समिति के आवाहन पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के सवाल को लेकर प्रदर्शन के बाद राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि एसआईटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के साथ ही दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कारकाकर उन्हें गिरफ्तार करते हुये जेल भेजने की मांग किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उत्तरकर विरोध प्रदर्शन किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद उत्तर प्रदेश की सरकार और मुख्यमंत्री मौन साधे हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आम जनता के मामलों में छोटी सी बात पर भी तुरंत मुकदमा दर्ज कर लिया जाता है, लेकिन करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इतने बड़े मामले में अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि घटना का खुलासा न होना और कोई कार्रवाई न किया जाना यह दर्शाता है कि चंदा वसूलने वाले और जिम्मेदारी संभालने वाले बड़े लोग इस पूरे मामले में संलिप्त हैं। कांग्रेस आस्था से जुड़े इस प्रकरण को लेकर न्याय न मिलने तक संघर्ष जारी रखेगी।ज्ञापन देने के बाद कांग्रेस नेता वृजेश आर्य, नर्वदेवश्वर शुक्ल, शौकत अली नन्डू, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, संदीप श्रीवास्तव, अलीम अख्तर, डा. आलोक रंजन ने कहा कि अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में राम्ान, दान, चढ़ावा घोटाले चोरी ने आम जनमानसों की आस्था को झकझोर कर रख दिया है। इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा एस.आई. टी. का गठन किया गया है, परन्तु इस प्रकरण पर अभी तक कोई भी एफ.आई.आर. दर्ज न होने से इसकी निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह

भूमि विवाद में गलत पैमाइश और शिवतखोरी का आरोप, डीएम से जांच के साथ न्याय दिलाने की मांग

बस्ती, । भानुपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सिसवा खुर्द निवासिनी श्रीमती गुडिया पत्नी रामकुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर भूमि विवाद मामले में निष्पक्ष जांच और पैमाइश करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके भूमि प्रकरण में राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों द्वारा गलत रिपोर्ट लगाई जा रही है तथा विपक्षी पक्ष से मिलीभगत कर रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है।शिकायत के अनुसार, ग्राम सिसवा खुर्द स्थित आराजी संख्या 298 रकबा 0.6130 हेक्टेयर के संबंध में पूर्व में धारा-24 के तहत मुकदमा चल चुका है, जिसका निस्तारण वर्ष 2019 में हो गया था। गुडिया का कहना है कि उक्त आदेश के अनुपालन में मौके पर पत्थर नश्ट (सीमा निर्धारण) की कार्यवाही भी की गई थी। श्रीमती गुडिया ने बताया कि बाद में दाखिल की गई पुनर्विचार याचिका भी निरस्त हो चुकी है तथा मामले को लेकर राजस्व परिषद प्रयागराज में वाद विवादाधीन है। इसके बावजूद विपक्षी पक्ष द्वारा उनकी भूमि से अलग रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायत में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि विपक्षी पक्ष के प्रभाव में आकर हक्का लेखपाल ने कथित रूप से 60 हजार रुपये के गलत रिपोर्ट तैयार की है। उसका दावा है कि उनकी आराजी का कुल रकबा 0.6130 हेक्टेयर है, जबकि वर्तमान में वह केवल 0.528 हेक्टेयर भूमि पर ही कायम है। उनका आरोप है कि बिना मौके की वास्तविक पैमाइश किए केवल नवशे के आधार पर रास्ता निकाला जा रहा है।

जांच समिति गठित, 5-5 ग्रामों का करेंगे निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने वित्तीय तीन वर्षों में राज्य वित्त आयोग एवं केंद्रीय वित्त आयोग की धनराशि से सबसे अधिाक भुगतान हुआ है ऐसी 25 ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों की जांच को जनपद स्तरीय अधिकारी एवं तकनीकी अधिकारी की टीम गठित की है। समिति के अधिकारी कराए गए कार्यों की जांच के साथ यह भी देखेंगे कि अभिलेखों का रखरखाव उचित है या नहीं कार्यों के ठेके देने की प्रक्रिया उचित है या नहीं। ठेकेदार प्रधान, सचिव, पंचायती राज विभाग के किसी भी कर्मचारी का संबंधी तो नहीं है। ग्राम पंचायत में आरआरसी एवं ई-रिक्शा संचालन की स्थिति भी देखेंगे। समिति में मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, तकनीकी अधिकारी सहायक अभियंता सिंचाई निर्माण खंड सुदर्शन प्रसाद पांच ग्राम पंचायत, उपायुक्त स्वत रोजगार, सहायक अभियंता सिंचाई निर्माण खंड अधिकक्ष मिश्रा पांच ग्राम पंचायत, अपर मुख्य अधिकारी, अभियंता जिला पंचायत राकेश कुमार जांच के लिए पांच ग्राम पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकाारी, सहायक अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग संजीत श्रीवास्तव जांच के लिए पांच ग्राम पंचायत एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग राज किशोर जांच के लिए पांच ग्राम पंचायतें शामिल है। जांच समितियों को ग्राम पंचायतों के नाम जिला पंचायत राज अधिकाारी द्वारा दिया जाएगा। अधिकारी कार्यों की जांच कर 15 दिवस के अंदर जांच आख्या जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे जो की जांच आख्याओं पर कार्यवाही कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा के मानको का किया निरीक्षण

चित्रकूट। प्रभारी अग्निशमन केन्द्र कर्बी जयेन्द्र ने बताया कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में कोचिंग सेंटर में लगी भयानक आग के ़टिगत तथा पुलिस महानिदेशक अग्निशमन तथा आपात सेवा के आदेश के अनुपालन एवं डीएम, एसपी के निर्देशन में अग्निशमन सुरक्षा, बचाव, जागरूकता के सम्बन्ध में अभियान चलाकर कोचिंगों का निरीक्षण किया गया।मुख्य अग्निशमन अधिकारी यदुनाथ सिंह, प्रभारी अग्निशमन अधिकारी पवन कुमार त्यागी ने बुधवार को जनपद के विभिन्न कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया। अग्निसुरक्षा उपकरणों का रखरखाव, आग के खतरों को कम करने व किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित पलायन के ़टिकोण से जांच किया। कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमन प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया। अग्निसुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी दी गई। डिजिटल लाइब्रेरी एलआईसी तिराहा, यूचर डेस्क लाइब्रेरी प्रयागराज रोड, न्यू विजन कम्प्यूटर इन्स्टीट्यूट ट्रेफिक चौराहा, अचीवर्स लाइब्रेरी आदि कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया गया।

अधेरे में मंदाकिनी नदी में उलेड़ी जा रही सीवर की गंदगी

चित्रकूट। रोज रात के अंधेरे में रामघाट के पास स्थित जल संस्थान के सम्पवेल से सीवर का हजारों लीटर गंदा पानी सीधे मंदाकिनी नदी में उलेड़ा जा रहा है। बुंदेली सेना में दोषी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि सम्पवेल की मोटर न चलाने के लिए अक्सर रात के समय सीवर को सीधे नदी में खोल दिया जाता है। कई बार मामले की शिकायत स्थानीय लोगों ने जल संस्थान में की, लेकिन संबंधिात अधिकारी पूरी तरह बेपरवाह बने हुए हैं। सम्पवेल वाले पन्नालाल घाट में ही बुंदेली सेना ने सफाई अभियान चलाया था, लेकिन सीवर की गंदगी उलेड़ कर जल संस्थान सब किए कराए पर पानी फेर देता है। सीवर से पानी के साथ बड़े पैमाने पर प्लास्टिक कचरा भी नदी में पहुंच जाता है और घाटों में भारी भरकम सिल्ट जमा हो जाती है। बुंदेली सेना ने जिलाधिकारी से मांग की है कि सीवर को नदी में गिराने पर कड़ाई से रोक लगाई जाये और दोषी से सजा के तौर पर नदी की सफाई करवाई जाये। ताकि भविष्य में नदी में गंदगी फैलाने से पहले विभागीय कर्मी सी बार सोंचे।

कमियां मिलने पर जारी किया कारण बताओ नोटिस

चित्रकूट। डीएम के निर्देश के क्रम में विकास प्राधिकरण चित्रकूट ने विद्यार्थियों की सुरक्षा, भवन मानकों के अनुपालन, कोचिंग संस्थानों एवं लाइब्रेरी के विधिसम्मत संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों एवं लाइब्रेरी का संयुक्त निरीक्षण अभियान चलाया गया। संयुक्त निरीक्षण में चित्रकूट विकास प्राधिकरण सचिव, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी रहे। प्राधिकरण के सहायक अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं ने नगर पालिका परिषद, अग्निशमन विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से निरीक्षण किया गया। संयुक्त जांच के दौरान 10 कोचिंग संस्थानों एवं लाइब्रेरी का निरीक्षण किया गया। इस दौरान भवन के स्वीत मानचित्र, वैध अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र, भवन की संचनान्त्मक सुरक्षा, आपातकालीन निकास व्यवस्था, पार्किंग एवं आवागमन की व्यवस्था, विद्युत एवं अन्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन तथा संस्थानों के संचालन की वैध ाानिक स्थिति का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। कमियां मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर 10 दिन के अंदर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सचिव ने कहा कि यदि किसी भी संस्थान द्वारा बिना स्वीत भवन मानचित्र, आवश्यक अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र या अन्य वैधानिक अनुमतियों के संचालन किया जाना पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

नवमर्ती रिकूट आरक्षियों को एसपी कार्यालय का कराया भ्रमण

चित्रकूट। पुलिस विभाग के नवमर्ती रिकूट आरक्षियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय का भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण कार्यक्रम में रिकूट आरक्षियों के बैच के प्रशिक्षु आरक्षियों ने भाग लिया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं को पुलिस अधीक्षक कार्यालय की विभिन्न शाखाओं वाचक कार्यालय, अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय, प्रधान लिपिक कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, मीडिया सेल, साइबर सेल तथा प्रशासनिक अनुभागों का विस्तृत परिचय दिया गया। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने स्वयं रिकूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिसिंग की बुनियाद क्षेत्रीय ज्ञान, अनुशासन तथा जनता के प्रति संवेदनशीलता पर टिकी है। इस प्रकार के भ्रमण कार्यक्रमों से प्रशिक्षुओं को वास्तविक कार्य प्रणाली समझने में मदद मिलती है और वे भविष्य में बेहतर पुलिस अधिकारी बन सकेंगे।'भ्रमण के दौरान रिकूट आरक्षियों को कार्यालय में आने वाली शिकायतों के निस्तारण, एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, डायरी प्रबंधन तथा आधुनिक तकनीकी उपकरणों के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक सवाल पूछे और अधिकारियों ने उनके सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया। यह भ्रमण रिकूट आरक्षियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा था। जिसके तहत उन्हें थाना, कोतवाली, ट्रैफिक विंग तथा अन्य इकाइयों का भी भ्रमण कराया जाएगा। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पीयूषकांत राय, क्षेत्राधिकारी नगर सत्येन्द्र सिंह, प्रभारी मंडल सहायता प्रकोष्ठ निरीक्षक जय प्रकाश उपाध्याय, वाचक पुलिस अधीक्षक निरीक्षक राजीव कुमार सिंह, पीआरओ प्रदीप पाल व अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

वैभव सूर्यवंशी इस शुक्रवार इतिहास रचने के लिए तैयार

युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू कर सचिन तेंदुलकर का सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। प्ब और म्ब के नियमों के तहत, 16 साल से कम उम्र के होने के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर भारतीय ट्रेसिंग रूम में हमेशा रहने की इजाजत नहीं होगी, जिससे उन्हें एक अलग चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करना होगा। यह नीति युवा खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, जो भारत के लिए एक नया अनुभव होगा। वैभव सूर्यवंशी इस शुक्रवार इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। उम्मीद है कि यह युवा खिलाड़ी बेलफास्ट में आयरलैंड के खट्िलाफ पहले ५20० मैच में भारत के लिए अपना डेब्यू करेगा। हालांकि, टीम का हिस्सा होने के बावजूद, प्ब (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) और म्ब (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) के नियमों की



वजह से, इंग्लैंड के खट्िलाफ ५20० सीरीज के दौरान इस 15 साल के खिलाड़ी को हर समय भारतीय ट्रेसिंग रूम में जाने की इजाजत नहीं होगी।अगले हफ्ते डरहम में इंग्लैंड के खट्िलाफ पांच मैचों की ५20० सीरीज शुरू होने से पहले, भारत आयरलैंड के खट्िलाफ दो ५20० मैच खेलेगा। श्द गार्डियनर की एक रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा नियमों की वजह से सूर्यवंशी को पूरे दौरे के दौरान एक अलग चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करना होगा। प्ब के

नियमों और म्ब की पॉलिसी के तहत, 16 साल से कम उम्र के खिलाड़ियों को वयस्क खिलाड़ियों के साथ चेंजिंग-रूम की सुवििाएँ शेयर करने की इजाजत नहीं है।रिपोर्ट के अनुसार उन्हें सिर्फ मैचों और टीम मीटिंग के दौरान ही टीम ट्रेसिंग रूम में जाने की इजाजत होगी।

बाकी समय में, वह म्ब की ओर से उन्हें दिए गए पसंनल चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करेंगे। सूर्यवंशी अपने माता-पिता के साथ यूनाइटेड

किंगडम गए हैं, जो उन्हें नए माहौल में ढलने में मदद करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूर्यवंशी को मैच के दौरान भारत के ट्रेसिंग रूम में जाने और टीम की बातचीत में शामिल होने की इजाजत होगी, लेकिन उन पर यह पाबंदी तब लागू होगी जब वह हर मैच से पहले और बाद में कपड़े बदल रहे होंगे। इंग्लिश स्पोर्ट्स में ऐसे नियम आम हैंय जैसे पिछले सीजन में आर्सनल के मैक्स डाउमन दिसंबर में 16 साल के होने तक अपने टीम के साथियों से अलग चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करते थे। लेकिन सूर्यवंशी के लिए ये नियम नए होंगे क्योंकि भारत में ऐसा नहीं होता है। सूर्यवंशी का आगे बढ़ना वाकई कमाल का रहा है। भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है,

पीसीबी पाकिस्तान के उभरते हुए टैलेंट को यूएस में देगा पावर हिटिंग ट्रेनिंग

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) खिलाड़ियों की पावर-हिटिंग और समग्र कौशल विकास के लिए उन्हें अमेरिका भेजने पर विचार कर रहा है। हेड कोच माइक हेसन ने बताया कि यह पहल चोटिल खिलाड़ियों सहित टैलेंट को एक नए सीखने के माहौल में प्रशिक्षित कर उनकी फिटनेस और खेल को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। पाकिस्तान क्रिकेट में बड़े बदलाव की कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (व्ब) खिलाड़ियों की पावर-हिटिंग और ओवरऑल स्किल डेवलपमेंट को बेहतर बनाने की कोशिशों के तहत उन्हें अमेरिका भेजने पर विचार कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक हेसन ने बताया है कि बोर्ड के साथ इस बारे

में बातचीत चल रही है।कई महीनों तक चलने वाली इस पहल का मकसद न सिर्फ खिलाड़ियों की अनजान माहौल में पावर-हिटिंग क्षमता को बेहतर बनाना है, बल्कि उन होनहार खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काम करना है जिनका करियर चोटों की वजह से प्रभावित हुआ है। हेसन ने क्रिकइन्फो से बातचीत में कहा कि हम कुछ खिलाड़ियों को अमेरिका भेज रहे हैं। वहाँ पावर-हिटिंग की अच्छी विशेषज्ञता मौजूद है और हम कुछ विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय से चोटों से जूझ रहे हैं, और हम उन्हें पावर-हिटिंग के अलग-अलग तरीकों और सीखने के एक नए माहौल से परिचित कराना चाहते हैं, ताकि वे एक ही जगह पर चार महीने बिताकर कुछ नए और ताजा विचार सीख सकें।हेसन ने इस बात पर भी जोर दिया कि



यह प्रोग्राम सिर्फ एक मकसद के लिए नहीं, बल्कि कई मकसदों के लिए है, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का तरीका बदलना भी शामिल है। उनकी ये बातें व्ब के स्पोर्ट्स और एक्सरसाइज मेडिसिन डायरेक्टर, डॉ. जावेद मुगल के उस बयान के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि श्रोफेशनल स्पोर्ट में फिटनेस से कोई समझौता नहीं किया जा

सकता।श और व्ब ने एक श्मजबूत, भरोसेमंद और बार-बार इस्तेमाल की जा सकने वाली टेस्टिंग और स्क्रीनिंग प्रक्रियाश तैयार की है, जिसे सभी खिलाड़ियों पर लागू किया जा रहा है। हेसन ने कहा कि इसमें थोड़ा सहयोग भी शामिल है। यह निश्चित रूप से सिर्फ स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग तक सीमित नहीं है।

अक्षर पटेल ने ऋषभ पंत का दिल्ली कैपिटल्स में वापसी पर जोरदार स्वागत

अक्षर पटेल ने ऋषभ पंत का दिल्ली कैपिटल्स में वापसी पर जोरदार स्वागत किया है, उन्हें अपनी पूरी आजादी के साथ खेलने

का इशारा करते हुए। पटेल ने कहा कि ऋषभ पंत की अगले प्ब सीजन के लिए दिल्ली कैपिटल्स वापसी में वापसी की घोषणा से बहुत खुश हैं। हाल के प्ब इतिहास में

अपनी मौजूदा 13.50 करोड़ रुपये की फीस पर ही खेलते रहेंगे।दिल्ली कैपिटल्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया जिसमें पटेल ने

हूं। हमारी आपसी समझ थी कि किसी खास स्थिति में वह क्या बेहतर कर सकते हैं और क्या नहीं।उन्होंने आगे कहा कि एक दोस्त और कप्तान के तौर पर, मैं उससे यही कहूंगा कि उसे पता है कि उस पर मेरी या फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। यह उसका अपना घर हैय वह यहां कई सालों से खेल रहा है। दिल्ली उसका घर है, इसलिए मुझे उससे ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं बस इतना जानता हूं कि कप्तान के तौर पर उसे मेरी तरफ से पूरी आजादी मिलेगी। अपनी बात खत्म करते हुए पटेल ने कहा कि बस मजा करो। अपने अंदाज का मजा लो। फॉर्म अस्थायी होती है, क्लास स्थायी होती है। तुम उसी श्रेणी के खिलाड़ी हो। तुम्हें हमारी तरफ से पूरी आजादी है। बस अपना खेल खेलो और मजा करो। उसके लिए यही संदेश होगा।पंत ने 2016 में दिल्ली कैपिटल्स (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) के साथ अपने प्ब करियर की शुरुआत की थी। नीलामी में 27 करोड़ रुपये रिर्कोर्ड बोली के बाद 2025 में रूब में जाने से पहले, उन्होंने आठ प्ब-सीजन में क का प्रतिनिधित्व किया था।



का आश्वासन दिया। आईपीएल ट्रेड के जरिए पंत की डीसी में वापसी क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय है, जहाँ कप्तान अक्षर ने उन्हें दोस्त और सीनियर खिलाड़ी के तौर पर हर दबाव से मुक्त रहकर मजे करने की सलाह दी है, जो टीम के लिए एक सकारात्मक संकेत है। कप्तान अक्षर पटेल अपने दोस्त और अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज

खिलाड़ियों के सबसे अहम ट्रेड में से एक में, लखनऊ सुपर जायंट्स (रूब) के कप्तान ऋषभ पंत को क में ट्रेड किया गया है, जबकि कैपिटल्स के रिपनर कुलदीप यादव लखनऊ जाएंगे। 15 करोड़ रुपये की बदली हुई फीस पर कैपिटल्स में ट्रेड किए जाने के बाद पंत की प्ब-सैलरी में काफी कमी आएगी। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ की फ्रेंचाइजी से जुड़ने के बाद कुलदीप

पंत का टीम में स्वागत किया। पटेल ने वीडियो में कहा कि जब वह पहले यहां थे, तो वह मेरे कप्तान थे और मेरी अगुवाई कर रहे थे। उस समय हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था कि शैं कप्तान हूं, मैं तुम्हें यह या वह बताऊंगा। हम आपसी समझ से काम करते थे। उन्हें पता है कि वह एक सीनियर खिलाड़ी हैं, और मुझे पता है कि मैं एक सीनियर खिलाड़ी

चौतरफा दबाव, मजबूत डालर ने बिगाड़ा बजार का खेल, निवेशक हुए सतर्क।

अमेरिकी डॉलर के एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना के चलते सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ गया है। भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, बाजार का ध्यान पूरी तरह से अमेरिकी मॉद्रिक नीति पर केंद्रित है, जिससे निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने की कीमतों में लगातार गिरावट का दौर जारी है। बुधवार को अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोने की कीमत करीब 0.5 प्रतिशत गिरकर 4,087.68 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई, जो 11 जून के बाद का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। वहीं अग्रस्त डिलीवरी वाले अमेरिकी सोना वायदा अनुबंध में भी 1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसका भाव 4,105.40 डॉलर प्रति औंस पर

आ गया है।सोने के साथ-साथ अन्य कीमती धातुओं में भी दबाव देखने को मिला है। मौजूद जानकारी के अनुसार, चांदी की कीमत 1.1 प्रतिशत गिरकर 61.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वहीं प्लैटिनम में 0.9 प्रतिशत और पैलेडियम में 1.2 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि निवेशक फिलहाल सुरक्षित निवेश के पारंपरिक विकल्पों में भी सतर्क रुख अपना रहे हैं।बता दें कि सोने की कीमतों में गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी डॉलर की मजबूती मानी जा रही है। डॉलर सूचकांक एक वर्ष से अधिक के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। जब डॉलर मजबूत होता है, तब अन्य देशों के निवेशकों के लिए सोना खरीदना महंगा हो जाता है। इसका सीधा असर मांग पर पड़ता है और कीमतों में दबाव बढ़ जाता है।गोस्तरलब है कि अमेरिकी

केंद्रीय बैंक की संभावित मॉद्रिक नीति को लेकर भी बाजार में चर्चा तेज है। बाजार से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, कारोबारी इस वर्ष अमेरिकी



केंद्रीय बैंक द्वारा तीन बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना का आकलन कर रहे हैं। यदि ब्याज दरें बढ़ती हैं तो निवेशकों का झुकाव ब्याज देने वाली परिसंपत्तियों की ओर बढ़

सकता है, जिससे सोने जैसी धातुओं की मांग प्रभावित हो सकती है।इसी बीच अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ताओं को लेकर भी विरोध

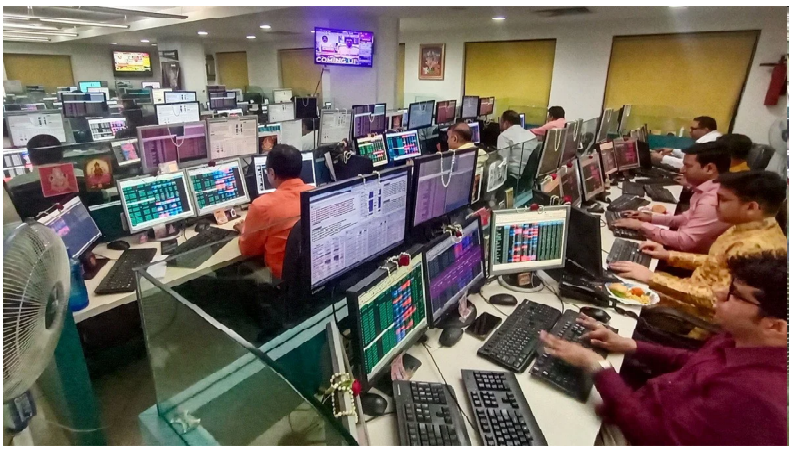
ाभासी संकेत सामने आए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने अनिश्चितकाल तक परमाणु निरीक्षण की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

स्ट्रांक मार्केट में यूपी का जलवा

रिपोर्ट में कहा गया, मई 2026 में नए निवेशकों के रजिस्ट्रेशन घटकर 10.5 लाख रह गएय पिछले बारह महीनों में निवेशकों में निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार में यह सबसे धीमी गिरावट थी। साल-दर-साल के आधार पर, नए निवेशकों के जुड़ने की संख्या मई 2025 की तुलना में 8.2% कम थी। दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जहाँ निवेशकों के जुड़ने की संख्या में साल-दर-साल 16.6% की कमी आई, जबकि इसी अवधि में पश्चिम भारत में 8.7% की गिरावट देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (छैम) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जियोपॉलिटिकल तनाव की वजह से मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच, भारत के स्टॉक मार्केट में नए निवेशकों के रजिस्ट्रेशन में महीने-दर-महीने 2.5% की गिरावट आई और यह संख्या 10.5 लाख हो गई। निवेशकों के जुड़ने की इस धीमी रफ्तार में दक्षिण और पश्चिम भारत सबसे आगे रहे। रिपोर्ट में बताया गया है कि हालांकि महीने के दौरान निवेशकों के रजिस्ट्रेशन में गिरावट आई, लेकिन यह गिरावट पिछले 12 महीनों में सबसे धीमी थी। रिपोर्ट में कहा गया, प्मई 2026 में

नए निवेशकों के रजिस्ट्रेशन घटकर 10.5 लाख रह गएय पिछले बारह महीनों में निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार में यह सबसे धीमी गिरावट थी। साल-दर-साल के आधार पर, नए निवेशकों के जुड़ने की संख्या मई 2025 की तुलना में 8.2% कम थी। दक्षिण भारत में सबसे ज् य ा द ा गिरावट दर्ज की गई, जहाँ निवेशकों के जुड़ने की संख्या में साल-दर-साल 16.6% की कमी आई, जबकि इसी अवधि में पश्चिम भारत में 8.7% की गिरावट देखी गई।इस सुस्ती के बावजूद, देश में नए निवेशकों के रजिस्ट्रेशन में उत्तर भारत की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा बनी रही। मई 2026 में कुल नए निवेशकों में इस क्षेत्र का योगदान 42.2 प्रतिशत रहा, इसके बाद दक्षिणी भारत का 22.3 प्रतिशत, पश्चिमी भारत का 21.2 प्रतिशत और पूर्वी भारत का 14 प्रतिशत योगदान रहा। रिपोर्ट में पिछले कुछ

वर्षों में निवेशकों के भौगोलिक वितरण में आए अहम बदलाव पर जोर दिया गया है। मई



2022 की तुलना में, थ्रट2 और थ्रट7ज्व के बीच नए निवेशकों को जोड़ने में उत्तरी भारत की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत अंक बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़ोतरी में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश का योगदान रहा, जिसकी रजिस्ट्रेशन हिस्सेदारी इस अवधि ा के दौरान 4.8 प्रतिशत अंक बढ़ी।इसके विपरीत, इसी अवधि ा में नए निवेशकों को जोड़ने में पश्चिमी भारत की हिस्सेदारी में लगभग 10 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई। इस गिरावट में महाराष्ट्र का बड़ा हिस्सा था, जहाँ नए निवेशक रजिस्ट्रेशन में उसकी हिस्सेदारी 6.3 प्रतिशत

अंक कम हो गई। अलग-अलग राज्यों में उत्तर प्रदेश मई 2026 में नए निवेशक रजिस्ट्रेशन में

सबसे बड़ा योगदानकर्ता बनकर उभरा। राज्य की हिस्सेदारी सभी नए निवेशकों में 16.1 प्रतिशत रही और इस महीने के दौरान लगभग 1.7 लाख नए निवेशक जुड़े। इसके बाद महाराष्ट्र का स्थान रहा, जिसकी हिस्सेदारी 11 प्रतिशत थी और लगभग 1.1 लाख रजिस्ट्रेशन हुए। पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत, बिहार की 6.6 प्रतिशत और तमिलनाडु की 6 प्रतिशत रही। कुल मिलाकर, मई के दौरान नए निवेशकों को जोड़ने में शीर्ष पाँच राज्यों का योगदान 46.4 प्रतिशत रहा।

हुमा कुरैशी की फिल्म बेबी डू डाई डू का टीजर जारी, एक्शन-रोमांच से है भरपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी पिछले कुछ समय से अपनी एक अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म का नाम हैचबेबी डू डाई डूय, जो 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. अब मेकर्स ने इस फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी कर दिया है. टीजर वीडियो में हुमा कुरैशी एक किलर के किरदार में नजर आ रही हैं. टीजर को देखकर कहानी के बारे में तो ज्यादा कुछ पता नहीं चलता है, लेकिन ऐसा लगता है कि हुमा का किरदार अपनी बहन की मौत का बदलने लेने के लिए लोगों का मर्डर कर रही है.

टीजर की शुरुआत एक लड़की के वॉयसओवर से होती

है. वो कहती है, ये कहानी उस रात शुरू होती है जिस रात मेरा मर्डर हुआ था, लेकिन ये स्टोरी मेरे बारे में नहीं है. ये मेरी गूंगी-बहरी बहन की कहानी है. उसके बाद हुमा कुरैशी के किरदार के एंट्री होती है, जो एक एक टीजर वीडियो जारी कर रही है. वो बोल और सुन नहीं सकती है. शहर में उसका खौफ फैल जाता है. वो हमेशा अपने साथ एक छाता लेकर चलती है. टीजर में दिखाया गया है कि वो मर्डर करने के लिए छाते का ही इस्तेमाल करती है.

टीजर काफी जबरदस्त लग रहा है और हुमा कुरैशी काफी इंटेंस लग रही हैं. ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म के जरिए वो



एक बार फिर से पर्दे पर अपना कमाल दिखाने वाली है. नचिकेत सामंत ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है और हुमा के भाई साकिब है.

सलीम इसके प्रोड्यूसर हैं. चंकी पांडे भी इस पिक्चर में नजर आने वाले हैं. टीजर में एक जगह पर उनकी छोटी सी झलक दिखी है.

काकटेल 2 बाक्स अफिस शाहिद-कृति-रश्मिका की फिल्म 3 दिनों की मोटी कमाई, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 70 करोड़ के पार

कृति सैनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर रॉम-कॉम

लगातार अच्छी कमाई की. पहले शुक्रवार को इस रोमांटिक कॉमेडी



फिल्म कॉकटेल 2 ने बॉक्स ऑफिस पर पहले वीकेंड शानदार प्रदर्शन किया. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने तीसरे दिन के अंत तक वर्ल्डवाइड 76.25 करोड़ रुपये का ग्रॉस किया, जिसमें भारत में 57 करोड़ रुपये और विदेशों में 19.25 करोड़ रुपये शामिल हैं. 31,542 शो में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 47.50 करोड़ रुपये रहा.

फिल्म ने अपने पहले सप्ताहांत में

रविवार को फिल्म के 10,462 शो हुए, जिनमें से 29 प्रतिशत सिनेमाघरों में दर्शक मौजूद थे. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सबसे अधिक 1,170 शो हुए, उसके बाद मुंबई में 711 और अहमदाबाद में 582 शो हुए.

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित फिल्म कॉकटेल 2 कुणाल (शाहिद कपूर द्वारा अभिनीत) और दीया (रश्मिका मंदाना द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बचपन के प्रेमी हैं. हालांकि उनके बीच गहरा रिश्ता है, लेकिन वे शादी करने को लेकर हिचकिचाते हैं. सिसिली में छुट्टियां बिताने के दौरान उनकी जिंदगी में एक अनएक्सपेक्टेड मोड़ आता है, जहां उनकी मुलाकात दीया की करीबी दोस्त एली (कृति सैनन द्वारा अभिनीत) से होती है, जो उन्हें अपनी सफर की योजना रद्द करके

उसके साथ समय बिताने के लिए मना लेती है जो एक बढ़िया हॉलीडे से शुरू होता है.वह जल्द ही एक इमोशनल सफर में बदल जाता है. जैसे-जैसे असुखाएं उभरने लगती हैं दीया कुणाल की सच्ची भावनाओं पर सवाल उठाने लगती है और सोचने लगती है कि क्या वह उससे प्यार के कारण शादी कर रहा है या केवल कर्य्य की भावना से कॉकटेल 2 बीती 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई.

18वें दिन फिर बढ़ी पेदी की कमाई, ‘मैं वापस आऊंगा’ ने उठाया वीकएंड का भरपूर फायदा

15.90 करोड़ कमाकर अपना गर्ई है.इधर वरुण धवन की है



बजट वसूल लिया था. वहीं दूसरे हफ्ते में एंट्री करने के बाद इसकी कमाई घटी है. इस फिल्म ने रिलीज के 8वें दिन 50 लाख और 9वें दिन भी 50 लाख ही सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक हॉन्टेड 3डी ने रिलीज के 10वें गिन 55 लाख रुपये कमाए थे.इसी के साथ इस फिल्म की 10 दिनों की कुल कमाई अब 17.45 करोड़ हो

लगाने पड़े, जिसके कारण कई सीन्स में बदलाव किए गए.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजनीतिक संवेदनशीलता और भेदी भाषा को लेकर फिल्म से कई लाइनें बदली और हटाई गई हैं. फिल्म में कश्मीर का पानी का जिक्र करने वाला एक डायलॉग पूरी तरह हटा दिया गया, जबकि देश की टट्टी वाला फ्छरेज भी हटा दिया गया. मिलिट्री से जुड़े शब्दों में बदलाव किए गए हैं. जैसे गोरखा रेजिमेंट को बदलकर आर्मी कर दिया गया और पूरी फिल्म में जनरल शब्द की जगह ऑफिसर या सर का इस्तेमाल किया गया. अजहरुद्दीन को बदलकर अलाउद्दीन कर दिया गया.

सीबीएफसी ने बिकिनी वाले कामुक विजुअल्स और शरीर के



हाव-भाव भी हटा दिए हैं. दिशा और जैकलीन वाले कामुक विजुअल्स को हटाते समय बोर्ड ने उन्हें खास तौर पर कामुक बताया है. महिलाओं के क्लोज-अप, गाने में मूवमेंट और अश्लील हाथों के इशारों की जगह विंदु दारा सिंह का क्लोज-अप दिखाया गया. कुल मिलाकर 10 सेकंड का हिस्सा हटाया गया. वेलकम दू द जंगल को डायरेक्ट अहमद खान ने किया है. जबकि नीरज

फिल्स और सीता फिल्म्स के तहत फिरोज नाडियाडवाला, राकेश डांग और वेदांत विकास बाली द्वारा इसे निर्मित किया गया है. फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीस, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े,आफताब शिवदासानी, जैकी श्रॉफ और परेश रावल जैसे कलाकार शामिल हैं. यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

रहूँ में तेरे रुबत का नया पोस्टर हुआ रिलीज! प्यार, रहस्य और सस्पेंस से भरपूर कहानी का देता है रोमांचक संकेत

फिल्म शर्हूँ मैं तेरे रुबरूक्य के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जो दर्शकों को एक ऐसी दिलचस्प दुनिया की झलक देता है जहां प्यार और रहस्य का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। इस आकर्षक पोस्टर में दो रोमांटिक जोड़ियों के बीच एक रहस्यमयी नकाबपोश शख्स दिखाई देता है, जो कहानी में छिपे राज, धोखे और भावनात्मक संघर्ष की ओर इशारा करता है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में नए कलाकार आर्या कुमार, नीथा शेट्टी और पीहू बिस्वास मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके साथ एक मजबूत सहायक कलाकारों की टीम भी है, जो इस सस्पेंस से भरपूर कहानी में अहम भूमिका निभाएगी। फिल्म का निर्देशन इंदर दास ने किया है, जबकि इसकी पटकथा आर्या कुमार द्वारा लिखी गई है। फिल्म के डीओपी सोनू कुमार तिवारी और कमल एस. चौपाल हैं। वहीं आर्या कुमार और हिमांशु तिवारी ने क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में अपनी रचनात्मक दृष्टि से फिल्म को आकार दिया है। फिल्म का निर्माण सुमन सौरभ ने किया है। पोस्टर की रहस्यमयी झलक और प्रभावशाली प्रस्तुति को देखते हुए यह साफ है कि फिल्म प्यार, विश्वासघात, जुनून और छिपी हुई पहचान जैसे विषयों को बड़े सिनेमाई अंदाज में पेश करने वाली है। तकनीकी पक्ष की बात करें तो फिल्म का संगीत सोनू राव ने तैयार किया है, जबकि गीत शब्बीर सुर्व ने लिखे हैं। फिल्म का संपादन हिमाशु तिवारी ने किया है और बैकग्राउंड स्कोर शैलेश राव द्वारा तैयार किया गया है।अपने दिलचस्प पोस्टर के साथ शर्हूँ मैं तेरे रुबरूक्य ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। यह रोमांटिक सस्पेंस-थ्रिलर दर्शकों को अंत तक बांधे रखने और हर मोड़ पर नए रहस्यों से चौंकाने का वादा करती है।

रोलर स्केटिंग सीखने की सोच रहे हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

रोलर स्केटिंग एक मजेदार और रोमांचक गतिविधि है। यह न केवल आपको फिट रखती है, बल्कि आपके संतुलन को भी सुध्ारती है। अगर आप रोलर स्केटिंग सीखने की सोच रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जो आपको रोलर स्केटिंग में मदद करेंगे। सही जूते चुनें, सुरक्षा उपकरण पहनें, सही तरीके सीखें, नियमित अभ्यास करें और संतुलन बनाए रखें जैसे महत्वपूर्ण सुझावों पर ध्यान दें।सही जूते चुनेंरोलर स्केटिंग के लिए सही जूते का चयन करना बहुत जरूरी है। जूते आरामदायक होने चाहिए ताकि आप लंबे समय तक स्केटिंग कर सकें। इसके अलावा जूतों का आकार और फिटिंग भी सही होनी चाहिए ताकि आपका पैर सही तरीके से जूते में फंसे और फिसले नहीं। अच्छी गुणवत्ता वाले जूते खरीदें जो आपके पैरों को सही सपोर्ट दें और आपको स्केटिंग में मदद करें। ध्यान रखें कि जूतों का तलवा चिकना होना चाहिए ताकि फिसलन बनी रहे।सुरक्षा उपकरण पहनेंरोलर स्केटिंग करते समय सुरक्षा उपकरण पहनना बहुत जरूरी है। सिर पर टोपी, घुटनों पर पैड, कोहनियों पर पैड और कलाई पर गार्ड्स पहनें ताकि अगर गिरें हैं तो चोट कम लगेगी। इन उपकरणों से आप सुरक्षित रहेंगे और आत्मविश्वास के साथ स्केटिंग कर सकेंगे। बच्चों को खासतौर पर सुरक्षा उपकरण पहनाने पर जोर दें ताकि वे भी सुरक्षित रहें और बिना किसी डर के स्केटिंग का आनंद ले सकें। सुरक्षा उपकरण पहनकर आप अधिक आराम महसूस करेंगे।

मल्टीटैलेन्टेड मुक्तिमोहन अभिनय, नृत्य और होस्टिंग में बनाई अलग पहचान

देश की जानी-मानी प्लेबैक सिंगर नीति मोहन और डांसर व कोरियोग्राफर शक्ति मोहन की बहन मुक्ति मोहन एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री और डांसर हैं। मुक्ति चार बहनों में से एक हैं। नीति मोहन और शक्ति मोहन के अलावा उनकी एक और बहन है, जिनका नाम कृति मोहन है। मुक्ति मोहन ने कई फिल्मों, सीरियलों, वेब सीरीज और रियलिटी शो में अपनी एक्टिंग और हुनर का जादू बिखेरा है। उन्होंने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2007 में विशाल भारद्वाज की शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से की। इसके बाद वह स्टार प्लस के एक डांस रियलिटी शो जरा नचके दिखा 2 में नजर आईं, जहां उनकी टीम विजेता रही और इस उपलब्धि ने उन्हीं काफी प्रसिद्धि दिलाई।इसके बाद उन्होंने कॉमेडी सर्कस का जादू और दिल है हिंदुस्तानी 2 जैसे टीवी शो में भी काम किया है। वह झलक दिखला जा और नच बलिए 7 जैसे डांस रियलिटी शोज और फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी 7 में भी एक प्रतियोगी के तौर पर नजर आ चुकी हैं।मुक्ति ने डांसर, कोरियोग्राफर और टेलीविजन होस्ट राघव जुयाल के साथ सिंगिंग रियलिटी शो दिल है हिंदुस्तानी 2 की मेजबानी की है। वेब सीरीज की बात करें तो उन्होंने लोकप्रिय वेब सीरीज इनमेट्स के अलावा लाइफ हिल गार्ड, बटरफ्लाइज, ग्याराह ग्याराह, आदि में अभिनय किया है।

अभिनेत्री सामंथा की हालिया रिलीज फिल्म मां इंटी बंगारम ने बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला वीकेंड पूरा कर लिया है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन शानदार शुरुआत की. रविवार को फिल्म ने 2.965 शो में भारत में 10.10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया, जिससे इसका ग्रॉस कलेक्शन 26.69 करोड़ रुपये और नेट कलेक्शन 23.10 करोड़ रुपये हो गया.

विदेशों में, इसने तीसरे दिन 4.00 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जिससे इसका कुल ओवरसीज कलेक्शन 15.10 करोड़ रुपये और कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 41.79 करोड़ रुपये हो गया.

फिल्म ने अपने पहले वीकेंड में लगातार अच्छी कमाई दर्ज की. शुक्रवार को 2,658 शो में 31.9 फीसदी ऑक्यूपेंसी के साथ फिल्म ने भारत में 5.35 करोड़ रुपये का नेट लाभ कमाया. शनिवार को 2,591 शो में 44.6 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ फिल्म ने 7.63 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. रविवार को फिल्म ने भारत में अब तक का अपना सबसे अधिाक दैनिक कलेक्शन 10.10 करोड़ रुपये दर्ज किया, जिसमें ऑक्यूपेंसी बढ़कर 53.4 प्रतिशत हो गई.पहले वीकेंड कुल मिलाकर भारत में नेट कलेक्शन 23.10 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 26.69 करोड़ रुपये हो गया. विदेशों में ग्रॉस कलेक्शन 15.10 करोड़ रुपये रहा, जबकि वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 41.79 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है.तेलुगु भाषा ने 2,341 शो में 61 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ 9.50 करोड़ रुपये का

मेरे गाने आज भी लोगों को याद, संगीत बना सबसे खूबसूरत पहचान करिश्मा कपूर

मनोरंजन की दुनिया में संगीत हमेशा से फिल्मों का अहम हिस्सा माना गया है। चाहे कहानी कितनी भी मजबूत क्यों न हो, अगर उसमें अच्छे गाने और संगीत जुड़ जाए, तो वह दर्शकों के बीच लंबे समय तक बना रहता है। इसको लेकर अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने बताया कि उनके करियर की सबसे खूबसूरत पहचान वही गाने हैं, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। करिश्मा कपूर इन दिनों डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में जज के तौर पर नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया, इस शो में मुझे ऐसे अलग-अलग टैलेंट देखने को मिलते हैं, जो संगीत को अपने तरीके से पेश करते हैं। यह देखकर मुझे बेहद खुशी होती है कि आज के युवा सिर्फ गानों को सुनते ही नहीं बल्कि उन्हें अपनी भावनाओं और डांस के जरिए एक नई कहानी में बदल भी देते हैं। यह बदलाव मुझे काफी प्रेरणादायक लगता है। करिश्मा कपूर ने कहा, मेरे लिए संगीत हमेशा से यादों, भावनाओं और एक खास जादू से जुड़ा रहा है। जब भी मैं इंडियाज बेस्ट डांसर 5 के सेट पर जाती हूँ, तो यहां की परफॉर्मेंस देखकर मुझे अपने पुराने दिनों की याद आ जाती है। मुझे लगता है कि

संगीत एक ऐसी चीज है जो हर व्यक्ति को किसी न किसी पल, भावना या समय से जोड़ देती है। एक अच्छा गाना सिर्फ सुना नहीं जाता, बल्कि महसूस किया जाता है और वह सीधे दिल तक पहुंचता है।



उन्होंने आगे कहा, मेरी फिल्मों की यात्रा में कई ऐसे गाने रहे हैं, जो आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इन गानों ने न सिर्फ मुझे पहचान दी, बल्कि दर्शकों के दिलों में खास जगह भी दिलाई। एक कलाकार के लिए

यह सबसे बड़ी उपलब्धि होती है कि उसके काम को लोग सालों बाद भी याद रखें और उससे जुड़ाव महसूस करें।

संगीत की ताकत यही है कि वह किसी भी इंसान को सुरत

पुराने समय में ले जा सकता है और बीती हुई यादों को फिर से जीवंत कर देता है।

अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, इंडियाज बेस्ट डांसर 5 में आने वाले प्रतिभागी जिस तरह से पुराने और नए गानों को

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक पेदी ने रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे संडे को 2.82 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ पेदी की 18 दिनों की कुल कमाई अब 234.27 करोड़ रुपये हो गई है.वहीं 12 जून को कई फिल्में रिलीज हुई थीं इनमें इम्तियाज अली की र्भें वापस आऊंगाघ ही दर्शकों का दिल जीत पाई. इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 12.25 करोड़ कमाए थे. इसके बाद 8 वें दिन इसका कलेक्शन 1.90 करोड़ रहा. वहीं 9वें दिन इसने कमाई में तेजी दिखाई और 4.35 करोड़ कमाए. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक में वापस आऊंगा ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को 5.75 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 10 दिनों की कुल कमाई अब 24.25 करोड़ रुपये हो गई है.

विक्रम भट्ट की हॉन्टेड 3डी ने बॉक्स ऑफिस पर पहले हफ्ते में 15.90 करोड़ कमाकर अपना गर्ई है.इधर वरुण धवन की है